जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 259 प्रभात अजमेर, रविवार 20 अप्रैल, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बार बार पूर्व मु.मंत्री अपनी पीठ ठोकते हैं, कि उनके शासन में ''कोविड मैनेजमेंट'' उत्कृष्ट था...(1)

पर था या नहीं, इस पर विस्तार से बाद में बात की जा सकती है, पर, यह ससबूत कहा जा सकता है कि ''कोविड मैनेजमेंट'' के नाम पर अरबों की लूट मची थी

- यह लूट इतने सुनियोजित तरीके से हुई कि, ''राइट टु इन्फॉर्मेशन'' (सूचना का अधिकार) के दफ्तरों के बीसियों चक्कर लगाने पड़े प्रमाण इकट्ठे करने में।
- पहले तो सरकार ने यह कहा कि प्राकृतिक आपदा व महामारी के दौरान लोक निर्माण से जुड़े कार्यों के लिये निविदा जारी करना असंभव हो जाता है। इस बहाने की आड़ में गहलोत सरकार ने, पारदर्शिता अधिनियम की पूरी अवहेलना करते हुए राष्ट्रीय आपदा राहत निधि के फंड से अस्पतालों में स्थायी निर्माण करने के आदेश दिये।
- इन निर्माण कार्यों में किसी भी तरह के मानक लागू नहीं किये गये, और बड़ी महंगी दरों पर निर्माण कार्य हुआ। जबकि, मार्च-अप्रैल 2020 को केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, आपदा राहत निधि से कोई भी स्थायी काम नहीं कराया जा सकता। ऐसे निर्माण कार्य को सरकार को अपने बजट से ही करवाना अनिवार्य है। पर, 31 मार्च 2021 को सरकार ने मेडिकल एजुकेशन विभाग को इस काम को राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से कराने की स्वीकृति दी, इस स्वीकृति में 131 करोड़ रुपये राष्ट्रीय राहत निधि से खर्च करना शामिल है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 19 अप्रैल। कोविड महामारी से लड़ने और मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं तुरन्त मुहैया कराने के नाम पर पिछली अशोक गहलोत सरकार ने केन्द्र और राज्य सरकार के राजकोष से कई तरह के खर्चे किए, परन्तु अब प्राप्त दस्तावेजों से जाहिर होता है कि इन खर्चों में नियम-कायदों और नीतियों का भारी उल्लंघन किया गया और भष्टाचार की सभी सीमाएं पार कर दी गईं। उदाहरण के लिए, कोविड महामारी के दौरान राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेज/ अस्पतालों में राज्य/राष्ट्रीय आपदा राहत निधि (एस.डी.आर.एफ./एन.डी.आर.एफ़.) से गहन चिकित्सा इकाई (आई.सी.यू.), बाल गहन चिकित्सा इकाई तथा नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों (एच.आई.सी.यू./ पी.आई.सी.यू.) के सम्पूर्ण ''टर्नकी'' निर्माण प्रोजेक्ट पर राज्य सरकार द्वारा 131 करोड़ रूपए का व्यय एस.डी. आर.एफ़. फंड से किया गया, जबकि उक्त व्यय भारत सरकार द्वारा जारी आपदा प्रबंधन अधिनयम, 2005 के प्रावधानों एवं समय-समय पर तय किये गए नियम कायदों के भी विरूद्ध है।

दरअसल, एस.डी.आर.एफ़. के फंड से प्राकृतिक आपदा के समय राज्य सरकारें आपदा प्रबंधन और आधारभूत ढांचे को हुई क्षति की मरम्मत और गैर स्थाई ढांचों की मरम्मत के लिये खर्च कर सकती है। पाठकों को बता दें कि प्राकृतिक आपदा व महामारी के दौरान लोक निर्माण से जुड़े कार्यों के लिये निविदा जारी करना असंभव हो जाता है, क्योंकि निविदा जारी करने वाले कानून, जैसे राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता (आर.टी.पी.पी.) अधिनियम, भी निलंबित हो जाते हैं, इसलिये कोविड महामारी के दौरान अशोक गहलोत सरकार द्वारा नियमों की भारी अवहेलना करते हुए एस.डी. आर.एफ़.के फंड के उपयोग से अस्पतालों में आई.सी.यू जैसे स्थाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
खाद्य भवन, भू-तल, शासन सचिवालय, जयपुर-302005

पत्रांक :एफ.8(10) आ.प्र.एवं सहा./आप्र./2024/ जयपुर, दिनांक: As per E-sing

प्रधान महालेखाकार,
लेखा परीक्षा-I,
राजस्थान, जयपुर।

विषयः- राज्य आपदा निधि से गैर अनुमत गतिविधि टर्नकी आधार पर NICU निर्माण पर अनियमित व्यय राशि रूपये 425.60 लाख एवं कार्य सम्पादन में पायी गयी अनियमितताओं के सन्दर्भ में।

प्रसंगः- AAO/FP-64 का ई-मेल दिनांक 08.09.2024 एवं Audit enquiry no. (AENQ-580297) के कम में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र द्वारा कोविड-19 के दौरान आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा अतिरिक्त निदेशक प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग को राशि रूपये 10775.70 लाख की जारी प्रशासनिक स्वीकृति एवं वित्तीय स्वीकृति कमांक 4896-4903 दिनांक 31.03.2021 के विरूद्ध मेडिकल कॉलेज डूंगरपुर द्वारा राज्य आपदा मोचन निधि से गैर अनुमत गतिविधि टर्नकी आधार पर एनआईसीयू निर्माण पर अनियमित व्यय राशि रूपये 425.60 लाख एवं कार्य सम्पादन में पायी गयी अनियमितताओं के पर टिप्पणी चाही गयी है कि उक्त व्यय राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि तथा राज्य आपदा मोचन निधि हेतु अनुमोदित प्रकल्पों के अन्तर्गत अनुमत्य थे अथवा नही?

इस संबंध में निवेदन है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 33-4/2010-NDM-1 दिनांक 14.03.2020, 15.04.2021 के द्वारा कॉविड-19 के लिए निम्नानुसार मद (ITEMS) स्वीकृत किये गये है:-

Measures for quarantine, sample collection and screening: a. Provision for temporary accommodation, food, clothing, medical care, etc. for people affected and sheltered in quarantine camps (other than home quarantine) or for cluster containment operations. b. Cost of consumables for sample collection. c. Support for checking, screening and contact tracing.
Procurement of essential equipments/labs response to COVID-19: for a. Cost of setting up additional laboratories within testing the Government and the cost of consumables. b. Cost of personal protection equipment for healthcare, municipal, police and fire authorities. c. Cost of Thermal Scanners, ventilators, air purifiers, oxygen generation and storage plant in hospitals, strengthening ambulance services for transport of patients, setting up containment zones, Covid-19 hospital, Covid-19 care centres and consumables for Government hospitals.

गृह मंत्रालय (DM Division) भारत सरकार के द्वारा दिनांक 08.04.2025 एवं 10.10.2022 के द्वारा जारी एसडीआरएफ मद एवं नोर्म्स के अनुसार निम्नानुसार प्रावधान स्वीकृत है:-

Items Not Covered under SDRF/ NDRF
(f) State Govt Buildings viz. departmental/office buildings, residential quarters, religions structures, patwarkhana, Court premises, play grounds, forest bungalow property and animal/bird sanctuary etc.
(g) Long term/permanent restoration work.

Signature valid
Digitally signed by Bhagwat Singh
Designation: Joint Secretary To Government
Date: 2024.12.05 15:45:10 IST
Reason: Approved

(भगवत सिंह)
संयुक्त शासन सचिव

2

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
खाद्य भवन, भू-तल, शासन सचिवालय, जयपुर-302005

जयपुर, दिनांक 26-3-2

पत्रांक एफ.8()आ.प्र.एवं सहा./आ.प्र./एमई/2020/4648-54

प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति संख्या- 46/2020-21

राज्य कार्यकारी समिति की बैठक दिनांक 22.03.2021 में लिए गए निर्णय के संदर्भ में चिकित्सा शिक्षा विभाग चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान से प्राप्त प्रस्ताव क्रमांक 1577 दिनांक 25.03.2021 द्वारा ICU, NICU Other equipments and Ventilators for GMCs (as part of COVID care Management) हेतु निम्नानुसार उपकरण क्रय करने के लिए राशि रू 8520.00 लाख (अक्षरे पिचयासी करोड बीस लाख रू मात्र) की माग की गयी है:-

S.No	Medical College	Heads of Exp. (Required funds /amount)				Total Required Funds/Amount (Rs. in Lakh)
		ICU	NICU	Other equipments	Ventilators (5 to Each)	
1	Kota	750.00	1260.00	280.0 (MGPS & OGP)	75.0	2365.00
2	Udaipur	750.00	307.00	0.0	75.0	1132.00
3	Jodhpur	1300.00	460.00	0.0	0.0	1760.00
4	Ajmer	750.00	307.00	0.0	75.0	1132.00
5	Bikaner	750.00	227.00	0.00	75.0	1052.00
6	Barmer	456.00	0.00	0.00	0.0	456.00
7	Bhilwara	0.00	167.00	0.00	0.0	167.00
8	Bharatpur	456.00	0.00	0.00	0.0	456.00
	Total					8520.00

चिकित्सा शिक्षा विभाग की माग अनुसार कोविड-19 एसडीआरएफ मद में उपलब्ध प्रावधानानुसार उक्तानुसार उपकरण क्रय करने हेतु राशि रूपये 8520.00 लाख (अक्षरे- पिचयासी करोड बीस लाख रू मात्र) अतिरिक्त निदेशक प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर को राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) से किए जाने की एतद् द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाती है।

उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2020-21 में निम्न बजट मद पर प्रभार्य होगा-

2245- प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत
02- बाढ चक्रवात आदि
282- लोक स्वास्थ्य
(07)- (बाढ क्षेत्र में लोक-स्वास्थ्य)
[01]- [दवाईयो की पूर्ति]
22- सामग्री और प्रदाय (केन्द्रीय सहायता 75 प्रतिशत राशि रूपये 6390.00 लाख)
(राज्य निधि 25 प्रतिशत राशि रूपये 2130.00 लाख)

उक्त स्वीकृति निम्न शर्तो के अधीन जारी की जा रही है:-

1. स्वीकृत अनुदान राशि का व्यय करने हेतु लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 तथा योजना के दिशा-निर्देश, तत्सम्बन्धी नियम/निर्देश व निर्धारित प्रक्रिया की पालना सुनिश्चित की जावे।
2. राशि का आहरण वास्तविक आवश्यकता के अनुसार निर्दिष्ट प्रयोजन के लिये ही जावे। बैंक खाते में हस्तान्तरण या अन्य प्रकार से विनियोजित किये जाने हेतु राशि का आहरण नही किया जावेगा।
3. व्यय की राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत किया जावे।
4. व्यय के लेखे महालेखाकार कार्यालय एवं राज्य सरकार के निरीक्षण के लिये सदैव खुले रहेंगे।
5. यह स्वीकृति विभागीय आदेश क्रमांक एफ1()आ.प्र. एवं सहा./आ.प्र./2020/3783-89 दिनांक 20.03.2020 के अनुसरण में जारी की जाती है।

(कल्पना अग्रवाल)
शासन संयुक्त सचिव

*दस्तावेज (1) राजस्थान राज्य आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से संयुक्त शासन सचिव ने अपने पत्र में स्पष्ट रुप से नियमों को उद्धृत करते हुए बताया है कि एस.डी.आर. एफ. फंड का उपयोग मरीजों की जांच करने, ''क्वांरटीन'' करने और मेडिकल लैब में जरूरी उपकरण, पी.पी.पी. किट इत्यादि लेने के लिये किया जा सकता है। इस फंड का उपयोग स्थाई या लंबे समय के लिये उपयोग में आने वाले निर्माण कार्यों या मरम्मत कार्यों में नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रतीत होता है कि अशोक गहलोत सरकार को भी इस नियम कायदे की भली भांति जानकारी थी। **दस्तावेज (2)** इसलिये एस.डी.आर.एफ. फंड के उपयोग के लिये राज्य सरकार ने पहले आदेश में आई.सी.यू. व एन.आई.सी.यू. में वेंटीलेटर तथा अन्य उपकरणों के खरीद के आदेश दिये हैं। परंतु बाद के आदेशों में शब्दों को गोल-मोल कर आई.सी.यू. के निर्माण कार्यों के आदेश कुछ गिनी-चुनी कंपनियों को दिये गये।*

धनखड़ की टिप्पणी ने भारी विवाद उत्पन्न किया

धनखड़ की टिप्पणी के अनुसार, न्यायपालिका अनावश्यक रुप से विधायकों के काम में हस्तक्षेप कर रही है

- धनखड़ ने, कानून बनाने के मामले में संसद को सुप्रीम माना है, तथा सुप्रीम कोर्ट को सचेत किया कि, सुप्रीम कोर्ट का वक्फ संशोधन विधेयक के मसले पर ''जुडिशियल ओवर रीच'' (अनाधिकार चेष्टा) उचित नहीं है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। विवादास्पद वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा केन्द्र सरकार को दी गई अंतरिम राहत ने एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। विशेषतौर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बैंच की भूमिका को लेकर न्यायपालिका अभूतपूर्व जांच के दायरे में आ गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की हालिया टिप्पणियों ने विधायिका तथा न्यायपालिका के बीच शक्तियों के विभाजन पर बहस को और तेज कर दिया है।

सत्रह अप्रैल को, सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, केन्द्र सरकार को वक्फ संपत्तियों पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि विवादास्पद प्रावधानों - जिनमें गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करना और वक्फ संपत्तियों को डिनोटिफाई करना शामिल है- को अगले आदेश तक लागू नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 मई 2025 के लिए निर्धारित की है और सरकार को एक सप्ताह में विस्तृत जवाब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्य अभियन्ता भरतपुर फ्लड कंट्रोल का मानचित्र पेश करें

जयपुर, 19 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर को बाढ़ से बचाने के लिए बनाए गई सिटी फ्लड कन्ट्रोल ड्रेन में हुए अतिक्रमण के मामले में जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता को 13 मई को व्यक्तिशः हाजिर होकर मौजूदा स्थल पर राजस्व मानचित्र को सुपर इंपोज करते हुए मानचित्र पेश करने

- हाईकोर्ट ने जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता को 13 मई को स्वयं पेश करने के आदेश दिये।

को कहा है। अदालत ने कहा कि मामला साल 2019 से लंबित है और अदालत ने गत वर्ष राज्य सरकार से यह रिकॉर्ड मांगा था। इसके बावजूद अब तक अदालत को सुपर इंपोज मानचित्र की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ आक्रमक टिप्पणी भाजपा का पलटवार है न्यायपालिका के खिलाफ?

ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा हाईकमान, सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि पर राज्य सरकार द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिये समय अवधि का अंकुश लगाने से बहुत खिन्न है

- उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि, आर्टिकल 142 प्रजातंत्र ताकतों के खिलाफ छोड़ा गया न्युक्लियर मिसाइल है।
- धनखड़ के बाद भाजपा के सांसद निशिकान्त दूबे ने और भी रंगीन व असंसदीय भाषा में सुप्रीम कोर्ट को कोसा।
- अब तक भाजपा की पूर्णतया चल रही थी, संसद में उठाये गये सभी मुद्दों पर, अब पहली बार अवरोध का सामना करना पड़ रहा है, अतः न्यायपालिका को टारगैट बनाया गया है, इतने आक्रमक तरीके से।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। ऐसा प्रतीत होता है कि यह देश की सर्वोच्च न्यायपालिका, सर्वोच्च न्यायालय पर बहुत सोचा-समझा तथा सावधानीपूर्वक तथा योजनाबद्ध रूप से तैयार किया हुआ हमला है, जिसे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा अंजाम दिया गया है। ऐसा लगता है कि तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से बुरी तरह व्याकुल तथा आहत होने के बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सर्वोच्च न्यायालय को काबू में लेने के प्रयास शुरू कर दिये है।

सर्वोच्च न्यायालय के खिलाफ अत्यन्त कठोर और निन्दापूर्ण भाषण की पहल देश के उपराष्ट्रपति तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने की थी और अब उन्हीं का अनुसरण भाजपा सांसद निशिकान्त दुबे ने किया है, जिनका उपयोग भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विपक्ष के लिए असंसदीय भाषा का प्रयोग करने तथा खरी-खोटी सुनाने के लिए प्रायः करता रहता है।

राज्यपाल रवि द्वारा स्टालिन सरकार के विधेयकों को रोके रखने तथा उन पर कुण्डली मार कर बैठे रहने को सर्वोच्च न्यायालय ने नरमी से नहीं लिया था। न्यायालय ने दृढ़ तापूर्वक कह दिया था कि राष्ट्रपति एवं राज्यपाल यह सुनिश्चित करें कि उनके पास भेजे गये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीए के तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी को दो साल की सजा

जयपुर, 19 अप्रैल। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर द्वितीय ने 15 साल पहले विश्वकर्मा क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण को नहीं तोडऩे की एवज में 7 हजार रुपए की रिश्वत लेने के मामले में, जेडीए के

- पंद्रह वर्ष पुराने मामले में अवैध निर्माण तोड़ने के लिये रिश्वत लेने के मामले में रिटायर हो चुके प्रवर्तन अधिकारी व फील्ड सहायक को एसीबी मामलों की अदालत ने सजा सुनाई।

रिटायर हो चुके तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा और फील्ड सहायक कैलाश जांगिड़ को दो साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, पीठासीन अधिकारी बृजेश कुमार शर्मा ने दोनों अभियुक्तों पर कुल तीस हजार रुपए का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प अब अमेरिका के फैडरल रिज़र्व बैंक के चेयरमैन को हटाने के लिये बैचेन हैं

ट्रम्प का पूरा प्रयास है कि, चेयरमैन जेरोम पॉवेल, जिनका कार्यकाल मई 2026 में पूरा हो रहा है, को बर्खास्त कर देना चाहिये

- ट्रम्प को, हालांकि, सभी क्षेत्रों से यह कठोर कदम उठाने के खिलाफ मशविरा मिल रहा है। यहां तक कि ट्रैजरी सचिव (वित्त मंत्री) स्कॉट बैसैन्ट भी इस बर्खास्तगी के विरोध में हैं।
- ट्रम्प चाहते थे, कि फैडरल बैंक ब्याज दर घटाये, जिससे सरकार की विस्तार वादी नीति के क्रियान्वयन को मदद मिले, परंतु फैडरल बैंक ''आकड़ों'' पर आधारित नीति का अनुकरण करना चाहता है, ब्याज दर के मामले में।
- भारत में भी वित्त मंत्री व रिज़र्व बैंक के बीच मतभेद कोई नई बात नहीं है, जैसे कि कारण रघुराम राजन का कार्यकाल नहीं बढ़ाया गया था तथा वित्त मंत्री चिदम्बरम् व तत्कालीन रिज़र्व बैंक गवर्नर पी.वी. सुब्बाराव के बीच खुल्लम खुल्ला कटाक्ष बाजी हुई थी।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। जैसा कि अक्सर आर्थिक संकट से जूझ रही सरकारों में देखा गया है, वे अपने संकट का सारा दोष सैन्ट्रल बैंकों पर मढ़ देती हैं।

आमतौर पर सरकारें और वित्त मंत्री ब्याज दरें तय करने और मौद्रिक नीति (मॉनिटरी पॉलिसी़ज़) पर नियंत्रण रखने की कोशिश करते हैं, जबकि केंद्रीय बैंक के गवर्नर और अध्यक्ष इस क्षेत्र पर अपने विशेषाधिकार की बात करते हैं।

वर्तमान में डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के सैन्ट्रल बैंक से अपेक्षा कर रहे हैं कि वह नीतिगत ब्याज दरें कम करे और सरकार को एक विस्तारवादी मौद्रिक नीति (एक्सपैंशनरी मॉनिटरी पॉलिसी) के जरिये समर्थन दे। जबकि, फेडरल रिज़र्व ने सतर्क नीति अपनाई है और मॉनिटरी पॉलिसी व ब्याज दरों को लेकर ''आंकड़ा आधारित'' दृष्टिकोण पर जोर दिया है।

इस स्पष्ट विरोध के चलते राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका के सैन्ट्रल बैंक पर सीधा हमला बोला है और कहा है कि चेयरमैन जेरोम पॉवेल को तुरंत हटाया जाना चाहिए। ट्रंप पॉवेल को हटाने को लेकर बहुत उतावले हैं।

मई 2026 में फैडरल रिज़र्व चेयरमैन पॉवेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और ट्रंप हर हाल में उससे पहले पॉवेल को हटाना चाहते हैं। लेकिन, अमेरिका में ऐसी कई कानूनी मिसालें है, जो केन्द्रीय बैंक चीफ और अन्य स्वतंत्र सरकारी संस्थाओं की स्वायत्तता की रक्षा करती हैं। लेकिन ट्रंप एक और मोर्चा खोलने को तैयार हैं।

इसके कई और गंभीर पहलू हैं। जानकारों का मानना है कि पॉवेल की समय से पहले बर्खास्तगी इस अनिश्चित समय में बाज़ार में तबाही मचा सकती है। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि ट्रंप की कैबिनेट में ट्रेजरी सेक्रेटरी रहे स्कॉट बेसेन्ट ने भी ऐसी किसी कार्रवाई के खिलाफ सलाह दी है।

हमारे देश में भी रिज़र्व बैंक के गवर्नर और वित्त मंत्रियों के बीच ऐसी टकराव की कहानियां कम नहीं रही हैं।

रघुराम राजन, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के सबसे प्रभावी गवर्नरों में माने जाते हैं, को नया कार्यकाल इसलिए नहीं मिला था, क्योंकि उन्होंने भारतीय संस्कृति और विविधता तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर सार्वजनिक तौर पर बयान दिए थे। हालांकि, उनके और उस समय की सरकार के बीच ब्याज दरों को लेकर कोई बड़ा मतभेद नहीं था और उनके काम की व्यापक सराहना हुई थी।

एक अन्य उदाहरण में, जब पी. वी. सुब्बा राव आर बी आई गवर्नर थे और पी. चिदंबरम वित्त मंत्री, तो चिदंबरम ने नरम ब्याज नीति के लिए संकेत दिए। लेकिन सुब्बा राव ने, देश में महंगाई की स्थिति को देखते हुए, इसे अनुचित समझा।

इस संदर्भ में चिदंबरम ने कहा कि अगर आर बी आई वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर नहीं चलेगा, तो मंत्रालय ''अकेले ही चलना'' पसंद करेगा। सुब्बा राव ने भी तुरंत जवाब दिया, ''यदि अभी नहीं, तो वित्त मंत्री एकांत में इस बात के लिए आभारी महसूस करते होंगे कि आर. बी. आई. जमीनी स्तर पर मौद्रिक नीति प्रबंधन के उतार-चढ़ाव का ध्यान रखने के लिए मौजूद है।''

अपहरण कर कई दिन दुष्कर्म करने वालों को 20 साल की सजा

जयपुर, 19 अप्रैल। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने एक नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त युवकों को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 22 वर्षीय इन अभियुक्तों पर कुल 6.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियुक्तों में से एक, पीड़िता की

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने अभियुक्तों पर 6.50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

भाभी का भाई और दूसरा उसका दोस्त है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि इन दिनों अवयस्क बालिकाओं के साथ लैंगिक अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है। अपराध की प्रकृति को देखते हुए अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये 168 मिनट प्रति सप्ताह वनानुभव लीजिये

प्राचीन भारत के महर्षि–वैज्ञानिक पुनर्वसु आत्रेय को चिकित्सा व स्वास्थ्य–रक्षण के एक ऐसे सिद्धांत का जनक माना जाता है जिसे आज वनानुभव और प्रकृति–अनुभव (फ़ॉरेस्ट – एक्सपीरियंस, नेचर–एक्सपीरियंस) आदि नामों से जाना जाता है। स्वास्थ्य–रक्षण और रोगोपचार में प्राकृतिक स्थलों की भूमिका का आयुर्वेद में कम से कम 1000 साल ईसा पूर्व से वर्णन प्राप्त होता है। हाल ही में हुई शोध अब यह निर्विवाद सिद्ध करती है कि प्रकृति का सानिध्य हमारे संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक, मानसिक और बायो फिज़ियोलॉजिकल स्वास्थ्य में सुधार करता है। परन्तु सबसे बड़ी बात यह है कि वर्ष 2022 तक की शोध अब यह निर्विवाद सिद्ध कर चुकी है कि वनानुभव से ह्यूमन नेचुरल किलर सेल्स की क्रियात्मकता बढ़ने और इन्फ्लेमेशन कम होने सहित अनेक रास्तों के माध्यम सेइम्म्यूनिटी बढ़ती है। लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया: भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान–संगत है।

आत्रेय का उत्तर था: अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है।वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है।अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे याबहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं। जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमारपड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है।व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व।व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में ही बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तु समसंहननो नरः। दृढेन्द्रियो विकाराणां न बलेनाभिभूयते।।क्षुत्पिपासातपसहः शीतव्यायामसंसहः। समपक्ता समजरः सममांसचयो मतः।।

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो–कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग–प्रतिरोधक क्षमता कम होने सेरोगजनन आसानी से होता है।इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेतरक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन–शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है।

आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इम्यूनिटी मूलतः दो प्रकार से समझी जा सकती है: इनेट (जन्मजात) और एडाप्टिव (अनुकूलनीय)। इनेट–इम्यूनिटी प्रतिरक्षा की पहली पंक्ति है जो पैथोजेन को मारने वाली कोशिकाओं जैसे न्यूट्रोफिल और मैक्रोफेज द्वारा संपादित की जाती है। किसी विषाणु का संक्रमण होने पर ये किलर–सेल्स तेज गति से सबसे पहले अपना काम करती हैं।एडाप्टिव– इम्यूनिटी की क्रियात्मकता तुलनात्मक रूप से धीमी होती है। इस तंत्र में टी–कोशिकाओं, बी–कोशिकाओं और एंटीबॉडी जैसी व्यवस्था है जो विशिष्ट रोगजनकों पर प्रतिक्रिया देता है। यह तंत्र इम्यून–मेमोरी के लिये भी उत्तरदायी है जो मानव में पहले हुई कुछ बीमारियों को पहचानता है और दुबारा नहीं होने देता। मेमोरी बी–सेल नामक कोशिकायें पैथोजेन को पहचानती हैं, और दुबारा संक्रमण होने पर त्वरित–प्रतिक्रिया करते हुये संक्रमण को निष्फल करने का काम करती हैं। हालाँकि नवीन शोध यह बताती है नेचुरल–किलर कोशिकायें भी एडाप्टिव–इम्यूनिटी प्रतिक्रिया का प्रदर्शन कर सकती हैं। जो भी हो, गड़बड़ तब होती है जब कुछ वायरस या माइक्रोब्स अपने पूर्व रूप से म्यूटेट या उत्परिवर्तित होकर इम्यून–मेमोरी (प्रतिरक्षा स्मृति) को गच्चा दे देते हैं।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्वहै। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी के बल या तीक्ष्णता को रोकनेऔरबीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्माके रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम–शक्तिसे जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36):त्रिविधं बलमिति– सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजं यच्छरीरसत्त्वयोः प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजं वयःकृतं च, युक्तिकृतं पुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्।बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान–पान, जीवन–शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19)रसादीनां शुक्रान्तानां धातूनां यत् परं तेजस्तत् खल्वोजस्तदेव बलमित्युच्यते स्वशास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है।इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तु बलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौजः स्मृतः काये स च पाप्मोपदिश्यते।। यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है। इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि–बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदहारण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात–पित्त–कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अतः व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक–शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार–शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम–शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है। व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धिमें सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं व मलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये सात रक्षा–दीवारों की निरंतर और सम्यक सार–सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें आहार या खानपान, विहार या जीवनशैली, स्वस्थ वृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, रसायन या उम्र–आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंततः औषधि या चिकित्सा शामिल हैं। परन्तु वनानुभवइन सबसे ऊपर है।प्रति सप्ताह कम से कम 168 मिनट वनों, उपवनों और हरियाली में बिताइये। यहाँ एक साथ वनवास काटने की बात नहीं है बल्कि प्रतिदिन थोड़ा वनानुभव अवश्य लीजिये। इससे इम्म्यूनिटी बढ़ने के साथ प्रसन्नता, आत्म–सम्मान, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में धनात्मक सुधार होगा। यह शास्त्र–सिद्ध, शोध–सिद्ध और स्वानुभूत है।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।

कुलपति की स्वतंत्रता और निष्पक्षता

अशोक कुमार

उच्च शिक्षा के प्रशासन के संबंध में राजनीतिक परिदृश्य निश्चित रूप से चुनौतियाँ पेश कर सकता है, और इनका समाधान विश्वविद्यालयों के प्रभावी कामकाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई बाहरी या राजनीतिक हस्तक्षेप न हो और कुलपति को विश्वविद्यालय चलाने की पूर्ण स्वतंत्रता मिले, मेरे कई सुझाव है। यह अकादमिक उत्कृष्टता और स्वतंत्र विचारों को बढ़ावा देने के लिए एक बुनियादी पहलू है। विश्वविद्यालय अधिनियम और परिनियम में संस्थान की स्वायत्तता और कुलपति की शक्तियों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। इस कानूनी ढांचे को शैक्षिणक और प्रशासनिक मामलों में कुलपति को अनुचित बाहरी दबावों से स्पष्ट रूप से बचाना चाहिए।

कुलपति के चयन की प्रक्रिया कठोर, पारदर्शी और पूरी तरह से शैक्षिणक और प्रशासनिक योग्यता पर आधारित होनी चाहिए। इसमें प्रख्यात शिक्षाविदों की एक प्रतिष्ठित खोज समिति शामिल होनी चाहिए, जिसमें प्रत्यक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व न्यूनतम या बिल्कुल नहीं होना चाहिए। चयन के मानदंड स्पष्ट रूप से परिभाषित और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर योग्य और संभावित उम्मीदवारों का एक कॉलेजियम होना चाहिए। पात्रता मानदंड स्पष्ट, पारदर्शी और स्पष्ट रूप से परिभाषित होना चाहिए और किसी भी स्तर पर किसी भी व्याख्या के अधीन नहीं होना चाहिए। चुने गए उम्मीदवारों द्वारा दस मिनट की प्रस्तुति दी जानी चाहिए, और उसमें से तीन उम्मीदवारों का एक पैनल तैयार किया जाना चाहिए। कुलाधिपति / राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच सहमति की प्रक्रिया को अपनाया जाना चाहिए। कुलपति को एक निश्चित कार्यकाल प्रदान करना, जिसमें मनमानी बर्खास्तगी के खिलाफ सुरक्षा उपाय हों, उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के डर के बिना विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक हितों के आधार पर निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा। किसी भी बर्खास्तगी केवल सिद्ध कदाचार या कर्तव्य की उपेक्षा के आधार पर, शैक्षणिक विशेषज्ञों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच प्रक्रिया के बाद ही होनी चाहिए।

विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स या सिंडिकेट को महत्वपूर्ण शैक्षणिक और वित्तीय अधिकार प्रदान करना, जिसमें मुख्य रूप से शिक्षाविद और डोमेन विशेषज्ञ शामिल हों, बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एक अवरोधक के रूप में कार्य कर सकता है। कुलपति, शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रमुख के रूप में, इस स्वतंत्र निकाय के प्रति जवाबदेह होंगे। विश्वविद्यालय के भीतर एक मजबूत आंतरिक संस्कृति को बढ़ावा देना जो संकाय और छात्रों के लिए शैक्षिणक स्वतंत्रता को महत्व देती है और उसकी रक्षा करती है, स्वाभाविक रूप से बाहरी हस्तक्षेप का प्रतिरोध पैदा करेगी। कुलपति को इस संस्कृति का एक मजबूत समर्थक होना चाहिए। निष्पक्ष और न्यायसंगत शासन के लिए कुलपति की निष्पक्षता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इसे सुनिश्चित करने के लिए खोज समिति को विशेष रूप से सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और शैक्षिणक उत्कृष्टता और संस्थागत तटस्थता के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता के प्रदर्शित ट्रैक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों की तलाश करनी चाहिए।

कुलपति और अन्य विश्वविद्यालय अधिकारियों के लिए आचार संहिता और नैतिकता का एक स्पष्ट कार्यान्वयन, जो निष्पक्षता और जवाबदेही पर जोर देता है। यह संहिता सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होनी चाहिए और उल्लंघनों को संबोधित करने के लिए तंत्र स्पष्ट रूप से परिभाषित किए जाने चाहिए। नियुक्तियों, प्रवेश और वित्तीय आवंटन जैसे प्रमुख निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देने से विश्वास बनाने और पक्षपातपूर्ण कार्यों के दायरे को कम करने में मदद मिल सकती है। विश्वविद्यालय समुदाय के लिए प्रासंगिक जानकारी को सुलभ बनाना एक जांच के रूप में कार्य कर सकता है। आंतरिक लेखा, परीक्षा समितियों और शिकायत निवारण प्रकोष्ठों जैसे मजबूत आंतरिक निरीक्षण तंत्र स्थापित करना, पक्षपात या अनुचित प्रथाओं के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए रास्ते प्रदान कर सकता है। इन निकायों को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। कुलपति की नियमित और वस्तुनिष्ठ प्रदर्शन समीक्षा करना, पूर्व–परिभाषित शैक्षिणक और प्रशासनिक मैट्रिक्स के आधार पर, उनके नेतृत्व का आकलन करने और उनके कामकाज में किसी भी संभावित पूर्वाग्रह की पहचान करने का अवसर प्रदान कर सकता है। वह क्या तंत्र है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कुलपति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के हित में साहसिक और निडर निर्णय लेने के लिए पर्याप्त रूप से साहसी हों? जबकि चयन प्रक्रियाएं संभावित व्यक्तियों की पहचान कर सकती हैं, एक ऐसा वातावरण बनाना जो साहसिक और निडर निर्णय लेने को प्रोत्साहित करे, उतना ही महत्वपूर्ण है!

शासी निकायों और राज्य सरकार (राजनीतिक संबद्धता के बावजूद) को कुलपति को वास्तविक अधिकार प्रदान करने और उनके शैक्षणिक नेतृत्व में विश्वास प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। सूक्ष्म प्रबंधन या लगातार संदेह करना साहसिक पहलों को दबा सकता है। एक ऐसा विश्वविद्यालय वातावरण बनाना जो नवाचार, आलोचनात्मक सोच और शैक्षणिक उत्कृष्टता की खोज में परिकलित जोखिम लेने की इच्छा को प्रोत्साहित करता है, कुलपति को साहसिक निर्णय लेने में सहायता करेगा। इसमें नवीन विचारों का प्रस्ताव करने वाले संकाय की सुरक्षा शामिल है।

ऐसे तंत्र मौजूद होने चाहिए जो कुलपति को उन निर्णयों के लिए अनुचित आलोचना या प्रतिक्रिया से बचाएं जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दीर्घकालिक हित में हैं, भले ही वे अल्पकालिक में अलोकप्रिय हों या राजनीतिक विरोध का सामना करें। इसके लिए संस्थागत स्वायत्तता की परिपक्व समझ की आवश्यकता है।

जबकि कुलपति को निर्णायक होने की आवश्यकता है, संकाय, छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श की संस्कृति को बढ़ावा देने से अधिक सूचित और अंततः अधिक प्रभावी निर्णय हो सकते हैं, जिससे साहसिक पहलों के लिए व्यापक समर्थन बन सकता है। कुलपति द्वारा शुरू किए गए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तनों और सुधारों को सार्वजनिक रूप से पहचानना और सराहना करना साहसिक नेतृत्व के मूल्य को सुदृढ़ कर सकता है।

अंततः, उच्च शिक्षा के प्रभावी और निष्पक्ष प्रशासन को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों – सरकार, विश्वविद्यालय प्रशासन, संकाय, छात्रों और व्यापक समुदाय – से स्वायत्तता, पारदर्शिता और शैक्षिणक उत्कृष्टता के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए एक सामूहिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। जबकि कुछ सुझाव आदर्शवादी लग सकते हैं, विश्व स्तरीय संस्थानों के निर्माण के लिए इन आदर्शों के लिए प्रयास करना आवश्यक है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर ,
गोरखपुर विश्वविद्यालय ,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

ईस्टर संडे–रंग बिरंगे अंडे

डॉ. जे. के. गर्ग

ईसाई धर्म को मानने वालों की मान्यता है कि गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु मसीह को सूली पर लटका दिया गया था किंतु यीशु मसीह मात्र तीन दिन बाद पुनर्जीवित हो गये थे। इसी दिन को ईसाई समुदाय दुनिया भर में ईस्टर दिवस के रूप में मनाते हैं। ईस्टर साधारणतया संडे यानी रविवार के दिन ही मनाया जाता है। इस वर्ष ईस्टर 18 2025 रविवार को मनाया जाएगा। ईसाई धर्म को मानने वालों के लिये ईस्टर अत्याधिक महत्त्वपूर्ण और पवित्र दिन होता है क्योंकि इसी दिन यीशु मसीह पुनर्जीवित होने के साथ जीवन की आशा एवँ प्रभु ईसा मसीह के प्रति विश्वास का प्रतीक है। ईस्टर का पर्व साल के किसी निश्चित दिन को नहीं मनाया जाता बल्कि इसकी तारीख हर साल साधारणतया बदलती रहती है। ईस्टर को 40 दिनों तक मनाया जाता है क्योंकि मान्यता के मुताबिक प्रभु यीशु मसीह एस पावन धरती पर लगभग चालीस दिनों तक रहे और उन्होंने अपने अनुयायियों को प्रेम सद्भाव का पाठ पढाया। इस दौरान सभी ईसाई उपवास, प्रार्थना करते है और अपनी गलतियों के लिये प्रायश्चित करते हैं।

ईस्टर में अंडे का बहुत महत्व है क्योंकि, जिस प्रकार चिड़िया सबसे पहले, अपने घोसले मे अंडा देती है, उसके बाद उसमे से चूजा निकलता है उसी प्रकार, यहा अंडे को एक शुभ स्मारक माना जाता है क्योंकि अंडा अपनी जड़ता को तोड़ करके एक नये प्राणी को जन्म देता है। वास्तव के अंदर ईस्टर का संदेश है कि जो जड़ता को तोड़े, वही –है असली जीवन होता है। ईस्टर पर लोग अण्डों पर विभिन्न रंगो में कलाक्रति एवँ च्क्कारी करके अपने स्वजनों मित्रों को उपहार के रूप में भेट करते है। ईसाई लोग चर्च गिरजा घर जाकर प्राथ्नाप्राथ्ना करके माँ बत्तियां जलाते है। ईस्टर की दिन अपनी दुश्मनी को मिटाकर एक–दूसरों से गले मिलते हैं। ईसाईयों का मानना है कि जिस प्रकार अंडें में से नया जीव जन्म लेता उसी तर ईस्टर के दिन वे परस्पर ईष्ट मित्रों और परिजनों को नये सुखमय स्वस्थ जीवन को जीने की शुभ कामनाएं देते हैं। कहीं पर अण्डों पर चित्रकारी करके, कही दुसरे रूप मे सजा कर, उपहार के रूप मे परस्पर एक दूसरे को दिया जाता है। सभी एक–दूसरे को गिफ्ट्स, फ्लावर्स, कार्ड, चोकलेट, केक देकर परस्पर शुभकामनाएं एवं बधाईयाँ देते हैं। सुबह से शाम तक पार्टी चलती है ईस्टर मे जिसमे, पारंपरिक लोकप्रिय लंच–डिनर होता है। भारत में मुख्य रूप से मुंबई, गोवा और पूरे भारत में जहां भी अधिकतर क्रिश्चियन लोग निवास करते है वहां पर चर्च को विशेष रूप से, सजाया जाता है। कनाड़ा में विश्व की सबसे बड़ी ईस्टर एग्ग की साइट है। पश्चिमी ईसाई धर्म के लोग ईस्टर सीज़न के दौरान ऐश वेड्नस्डे को उपवास रखना शुरू करते हैं और ईस्टर संडे को अपने उपवास का अंत करते हैं। भारत मे ही नहीं बल्कि, सम्पूर्ण विश्व मे जहा गुड फ्राइडे को शांति से बनाते है वही ईस्टर को उतनी ही धूम–धाम से बनाया जाता है। ईस्टर का असली संदेश यही है कि असली और सुखमय जीवन वो ही है जो जड़ता को तोड़े।

–डॉ. जे. के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज
शिक्षा, जयपुर

राजस्थान : चैत्र मास के समापन के साथ भीषण गर्मी का आगमन

त्यौहारों से तपन तक : राजस्थान की आग बरसाती गर्मियां

श्वेता यादव

राजस्थान, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विस्तृत मरुस्थलीय भूभाग के लिए विश्वविख्यात है। यहां जैसे ही चैत्र मास और नवरात्रि का पावन समय समाप्त होता है, वैसे ही सूर्य देव अपनी प्रचंडता के साथ धरती पर अपनी तपिश बिखेरने लगते हैं। यह समय प्रदेशवासियों के लिए सतर्कता और सावधानी बरतने का संकेत देता है, क्योंकि भीषण गर्मी अपने चरम पर होती है।

गर्मी का प्रभाव और सावधानियां :–गर्मी के मौसम में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है। उदाहरण के लिए, जैसलमेर में अप्रैल से जून के बीच तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है। इसी प्रकार, चूरू, जिसे राजस्थान का तपता तंदूर कहा जाता है, वहां भी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है। ऐसे में, स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को कई सावधानियां बरतनी चाहिए।

पर्याप्त जल का सेवन :–शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिनभर में अधिक मात्रा में पानी पिएं।

हल्के रंग के कपड़े पहनें :– गर्मी से बचाव के लिए सूती और हल्के रंग के कपड़े उपयुक्त होते हैं।

धूप से बचाव :–बाहर निकलते समय छाता या टोपी का प्रयोग करें और सनस्क्रीन लगाएं।

भोजन पर ध्यान दें :–ताजे फल, सब्जियां और हल्का भोजन करें; तले हुए और भारी भोजन से बचें।

पर्यटन पर प्रभाव :–गर्मी के मौसम में राजस्थान का पर्यटन उद्योग प्रभावित होता है। विदेशी और देशी पर्यटक इस समय कम संख्या में आते हैं, जिससे स्थानीय व्यवसायों पर असर पड़ता है। हालांकि, कुछ साहसी पर्यटक इस मौसम में भी थार मरुस्थल की सैर करना पसंद करते हैं, लेकिन उनकी संख्या सीमित होती है।

जल संकट और जीव–जंतु :– मरुस्थलीय क्षेत्रों में जल संकट गर्मियों में और भी गंभीर हो जाता है। पानी की कमी के कारण न केवल मनुष्य बल्कि पशु–पक्षी भी प्रभावित होते हैं। तालाब, कुएं और नदियां सूखने लगती हैं, जिससे जीव–जंतुओं को पानी की तलाश में दूर–दूर तक भटकना पड़ता है। ऐसे में, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को जल संरक्षण के उपाय अपनाने चाहिए, जैसे:

वर्षा जल संचयन :–बारिश के पानी को संचित करने के लिए टांके और जलाशयों का निर्माण।

पशु–पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था :–सार्वजनिक स्थानों और घरों के बाहर पानी के पात्र रखना।

जल उपयोग में मितव्ययिता :–अनावश्यक जल व्यय से बचना और रिसाव रोकना।

राजस्थानी कहावतें और गर्मी :–राजस्थान की संस्कृति में गर्मी से संबंधित कई कहावतें प्रचलित हैं, जो इस मौसम की तीव्रता और उससे बचाव के उपायों को दर्शाती हैं। कुछ प्रमुख कहावतें इस प्रकार हैं।

'' **'चैत मास की धूप, गधे को भी छांव में खड़ा कर दे।**'' अर्थात, चैत्र महीने की धूप इतनी तीव्र होती है कि गधा भी छांव की तलाश करता है।

''**जेठ की दोपहरी, सासरे जाओ न बहू।**'' अर्थात, जेठ महीने की दोपहर इतनी गर्म होती है कि बहू को ससुराल जाने से मना किया जाता है।

''**आषाढ़ की बादरी, कज्जल भरी नैन।**'' अर्थात, आषाढ़ महीने में बादल काजल से भरे नेत्रों के समान होते हैं, जो वर्षा का संकेत देते हैं।

निष्कर्ष :–राजस्थान में गर्मी का मौसम चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन सही सावधानियों और परंपरागत ज्ञान के साथ इसे सहन किया जा सकता है। जल संरक्षण, उचित आहार, वस्त्र चयन और स्वास्थ्य पर ध्यान देकर इस भीषण गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही, हमें पशु–पक्षियों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए, ताकि यह सुंदर प्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक विरासत के साथ आगे बढ़ता रहे।

लेखिका- श्वेता यादव

राशिफल रविवार 20 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, सप्तम तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 11:48 तक, सिद्ध योग रात्रि 12:12 तक, विष्टिकरण प्रातः 6:41 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:04 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से दिन 11:48 तक है। रवियोग दिन 11:48 तक है। त्रिपुष्कर योग दिन 11:48 से सायं 7:01 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:48 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 6:41 तक रहेगी। आज काल अष्टमी, इस्टर सण्डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:38 से 9:14 तक, लाभ–अमृत 9:14 से 12:26 तक, शुभ 2:02 से 3:38 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:02, सूर्यास्त 6:49

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष

आज अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। मित्रों/रिश्तेदारों आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का सफलता से क्रियान्वयन होगा।

सार-समाचार

विकास कार्यों का किया शुभारंभ

अजमेर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने तथा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ विकास के लिए विकास कार्यों की एक नई श्रृंखला का शुभारंभ किया। इसमें 4 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत के नाला निर्माण एवं 14.30 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। देवनानी ने ग्राम बोराज से कीर्ति नगर तक और रामेश्वरम स्कूल से बीके कौल नगर तक बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह निर्माण कार्य 4 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इसके निर्माण से क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त होंगी। इससे बरसात के मौसम में जलभराव की समस्याओं से निजात मिलेगी और नागरिकों को साफ-सुथरा एवं स्वास्थ्यकर वातावरण प्राप्त होगा। इस अवसर पर देवनानी ने कहा हमारा निरंतर प्रयास है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का विकास हो और नागरिकों को हर प्रकार की सुविधा सुलभ हो। जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य आरंभ किए गए हैं, जो शीघ्र ही परिणाम देने लगेंगे। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष द्वारा वरुण सागर रोड स्थित एमएस रावत कॉलोनी में भी सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस सड़क को सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 14.30 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किया जाएगा। इस सड़क से स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास में भी यह योगदान करेगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सड़क तंत्र के विकास से लोगों की दैनिक आवाजाही सुगम होने के साथ ही क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलती है। एक मजबूत और आधुनिक सड़क नेटवर्क, नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक मोहल्ला और कॉलोनी तक बेहतर सड़क सुविधाएं पहुँचें ताकि कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता न रहे। इस अवसर पर गुलाब सिंह रावत, पंचायत समिति सदस्य महेंद्र सिंह बोराज, शक्ति सिंह कच्छावा, विवेक सिंह रावत मोनू सिंह ,रोहित सिंह , सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने के आदेश

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पुश्तैनी संपति के फर्जी कागजात तैयार करने के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। पीड़ित नया शहर निवासी चंद्रप्रकाश रेगर ने एडवोकेट रुपेश शर्मा व मुकेश शर्मा के माध्यम से अदालत की शरण में जाकर न्याय की गुहार लगाई। इसका कहना है की रेगरान मोहल्ला नया शहर निवासी आरोपी भागचंद, शुभम उर्फ शनि, रवि उर्फ घीसु, अरुण, नितेश, संदीप, गुड्डी, कमला नेपुश्तैनी संपति के मकान के फर्जी दस्तावेज तैयार कर नगर परिषद में पट्टा बनाने के लिये आवेदन कर दिया, जबकि रेगरान मोहल्ला में स्थित मकान परिवादी के पिता स्व. सोयमप्रकाश के नाम रजिस्टर्ड बख्शीशनामा है, जो परिवादी की दादी लक्ष्मी देवी ने दिनांक 11 अगस्त 1988 को परिवादी के पिता स्व सोयम प्रकाश के पक्ष में निष्पादित की थी। कब्जा भी इनके पास है। इन सब के बावजूद आरोपियो ने पट्टा बनाने के लिये आवेदन कर दिया। पीड़ित ने किशनगढ सिटी थाना में रपट भी दी, पर कार्यवाही नहीं किये जाने पर अदालत की शरण में जाकर उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने की फरियाद की। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एडवोकेट रुपेश शर्मा व मुकेश शर्मा के तर्को से सहमत होते हुए किशनगढ़ थाना पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

पुलिया निर्माण की मांग

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। राजकीय महात्मा गांधी इंग्लिश स्कूल राजारेडी प्रबंध समिति अध्यक्ष विपिन काबरा के नेतृत्व में विद्यालय की समस्या को लेकर केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी को ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष काबरा ने अवगत कराया की कक्षा एक से 12वी तक उपखंड की अंठोजी माध्यम सबसे बड़ी स्कूल में 578 विद्यार्थी अध्यनरत है। इस विद्यालय के पास भाग्योदय कॉलोनी स्थित गार्डन के सामने से नाले पर एक पुलिया का निर्माण होने से आवागमन में राहत मिल सकेगी। इसका कारण है की हाउसिंग बोर्ड कृष्णापुरी क्षेत्र से आने वाले विद्यार्थियों को तीन किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर स्कूल में आना पड़ता है। पुलिया निर्माण से विद्यार्थियों व अभिभावकों के लिये आवागमन सुगम हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री चौधरी ने संबंधित विभागीय अधिकारियो से बात कर उचित कार्यवाही के लिये आश्वस्त किया। शिष्टमंडल में प्रधानाचार्य मोहम्मद हाफीज, उप प्रधानाचार्य सुमन बिजावत, एसएमसी सदस्य जयराम मालाकार, राकेश राव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माँ गंगा जल मंदिर शुरु

शाहपुर। खान्या के बालाजी के संत श्री रामदास जी महाराज के सानिध्य मे बस स्टैंड, देवनारायण मंदिर के पास वाटर कुलर का उद्घाटन हुआ।संत श्री रामदास जी महाराज ने भीषण गर्मी को देखते हुए सभी आमजनों से अपील करते हुए कहा की गर्मी के मौसम में शीतल जल मिल सके ऐसी व्यवस्थाये हर चौराहो पर समाजसेवी एवं भामाशाहों की तरफ से लगाने की पहल होनी चाहिए। वाटर कुलर समाजसेवी दिलीप गुर्जर, सत्यनारायण सोनी, नैना मोबाइल अभिषेक पारीक,संजय सोनी, शालीमार आयरन इरफ़ान खान, चेतन जैन, राधे मोबाइल राधेश्याम ,अभिषेक शर्मा, लादू माली, गोपाल सोनी, निशान्त सुथार, वीरेंद्र चौहान ,राहुल सोनी, प्रहलाद तोषनीवाल के सहयोग से लगाया गया। जिनकी भरपूर प्रशंसा की, उद्घाटन के दौरान रमेश चौहान, शंकर रेगर, रामप्रसाद गुर्जर,छोटू बलाई, सुमित प्रजापत, राजेंद्र लखारा, जितेन्द्र लखारा, मोहम्मद हुसैन आदि उपस्तिथ रहे।

दिव्यांग स्कूटी योजना के आवेदन 15 तक

मसूदा । जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी विशाल सिंह सोलंकी ने जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान सरकार बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा के अन्तर्गत मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना-2025 के लिए विशेष योग्यजनों से आवेदन आमंत्रित किए गए है। इसमें अजमेर जिले को आवंटित लक्ष्य 77 हुए है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक जयप्रकाश ने बताया कि मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना की पात्रता की शर्त एवं वांछित दस्तावेज निर्धारित किए गए है। आय प्रमाण पत्र के लिए पीपीओ आदेश अथवा 2 लाख रूपए से कम आय का प्रमाण पत्र होना चाहिए। निःशक्तता प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, कॉलेज जाने का प्रमाण, रोजगार पर जाने का प्रमाण एवं आवेदक द्वारा पिछले 8 वर्ष में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी भी योजनान्तर्गत मोटराइज्ड ट्राई साइकिल एवं स्कूटी वाहन प्राप्त नहीं किए जाने के संबंध में शपथ पत्र देना होगा। इसके साथ ही दिव्यांगता दर्शाती हुई फोटो और ड्राईविंग लाईसेन्स भी अनिवार्य रूप से देना होगा। इच्छुक आवेदक को अपने आवेदन प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में 15 मई तक ऑनलाइन एसएसओ पोर्टल पर एसजेएमएस डीएसएपी आईकन के माध्यम से करना होगा।इस दौरान अमृत विकलांग सहायता सेवा संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष शिवप्रकाश ने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजना से दिव्यांगों को इस योजना से एक राहत मिल सकेगी।सरकार की एक महत्वपूर्ण योगदान से दिव्यांगों में खुशी की लहर है

टीकाकरण कैंप संपन्न

अजमेर । जिले के आजमीन के लिए हज के दौरान होने वाले अरकान की ट्रेनिंग और टीकाकरण शिविर का आयोजन शनिवार को मस्जिद झाड़ी शाह कलंदरी जमा मस्जिद पर आयोजित किया गया। राजस्थान हज कमेटी से 2025 के लिए चयनित हाजियों के लिए अजमेर जिला हज कमेटी के खादिम हाजी मोहम्मद महमूद खान व सदर हाजी सिराजुदीन की अगवाई में आदर्श नगर कलंदरी मस्जिद में जिले से 88 हाजियों को इस शिविर में टीकाकरण व स्वास्थ प्रमाण पत्र दिया गया। शिविर में दरगाह नाजिम बिलाल खान कहा कि हाई एक फरीदा है, जिसको अदा करने की सआदत अल्लाह ने आप लोगों को दी है इसलिए आप सबको इस अहम फरीजे को निभाने के लिए सब्र के साथ सभी अरकान अदा कर अल्लाह से दुआ करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि सभी हाजी अपने गुनाहों से तौबा कर अपने रिश्तेदारों से अपने गिले शिकवे दूर कर हज के सफर पर जाने की कोशिश करें ताकि अल्लाह के रसूल की सुन्नत के साथ हज को पूरा करे। कैंप में सहायक नाजिम डॉ.आदिल, जयपुर से हज ट्रेनर हकीम, यूसुफ खान ने सभी हाजियों को हज जरूरी अरकान की जानकारी दी साथ हज सफर की मुबारक बाद दी। इस शिविर में जन्नत वेल्फेयर ट्रस्ट की ओर से मेडिकल किट सभी हाजियों को भेंट किए। शिविर को सफल बनाने में सदर हाजी सिराजुदीन, हाजी गोस मोहम्मद, हाजी मजिद खानपुरा, जाहिद भिनाय, मोइन खान, नावेद खान, अब्दुल रशीद पेंटर, मंसूर, सलीम खान, आरिफ हुसैन आदि मौजूद रहे।

बस ऑपरेटरों का अधिवेशन, मांगे नहीं मानी तो आंदोलन होगा

पुष्कर, (निसं)। तीर्थ नगरी पुष्कर में शनिवार को पुष्कर के पारीक आश्रम में बस ऑपरेटरो का वृद्धजन सम्मान समारोह एवं अधिवेशन आयोजित किया गयाजिसमें सम्पूर्ण राजस्थान से काफी संख्या में बस ऑपरेटर जुटकर विभिन्न मुद्दों पर की। अधिवेशन में पूरे राजस्थान से जिला स्तर एवं संभागीय स्तर के बस मालिक एवं पदाधिकारी एकत्रित हुए। जिसमें बीओसीई के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदेव सिंह खालसा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसन्ना पटवर्धन दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्रीनिवास राव नॉर्थ के विशेषज्ञ गुरमीत सिंह बस आपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यनारायण साहू रवि सैनी सुभाष चौधरी ललित दुआ सहित कई पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का दीप

बस ऑपरेटरो का वृद्धजन सम्मान समारोह एवं अधिवेशन आयोजित किया गया ।

- केंद्रीयराज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने लिए भाग
- इलेक्ट्रॉनिक बस चलाने पर दिया जोर

प्रचलित करके एवं सरस्वती वंदना के साथ शुभारंभ किया। अधिवेशन में राजस्थान से लगभग साढ़े तीन हजार बसे अन्य राज्य में पलायन कर चुकी हे उनको वापस राज्य में लाने हेतु चर्चा की जिसमें राज्य सरकार से टैक्स कम करने का प्रस्ताव किया गया। प्रत्येक जिले ओर कस्बे में निजी बसों का बाद स्टैंड बनाया जाए सन 2014 के बाद निजी बसों का किराया राज्य सरकार ने नहीं बढ़ाया निजी बसों का किराया बढ़ाए जाए सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई अगर राज्य सरकार मांगे नहीं मानती हे तो आंदोलन करने का निर्णय लिया गया।

अधिवेशन में कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत और केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने भी शिरकत की अधिवेशन में कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत और केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने संबोधित करते हो कहा की निजी बस ऑपरेटर की जो भी मांगे हैं वह यातायात मंत्री और मुख्यमंत्री भजनलाल तक पहुंचाई जाएगी और उनकी जो भी मांगे हैं उनको पूर्ण की जाएगी उन्होंने कहा कि बस ऑपरेटर का शोषण नहीं होने दिया जाएगा उनकी जो भी वाजिब मांगी होगी उनको पूरी की किया जाएगी। कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत और केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के अधिवेशन पहुंचने पर बस ऑपरेटर के पदाधिकारीयो ने उनका माला ओर साफा पहनाकर और दुपट्टा ओढ़ा कर स्वागत सम्मान किया गया।

मांगे नहीं मानने पर राज्य भर में किया जाएगा उठा आंदोलन: पुष्कर के पारीक भवन में शनिवार को बस ऑपरेटरो का अधिवेशन आयोजित किया गया अधिवेशन में संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने कहा कि बस ऑपरेटरो की मांगे अगर राज्य सरकार नहीं मानती है तो राज्य भर में बस ऑपरेटर आंदोलन करेंगे। उन्होंने बताया कि सन 2014 के बाद निजी बसों का किराया नहीं बढ़ाया गया और जिला स्तर और कस्बे स्तर पर निजी बसों का अलग से बस स्टैंड बनाया जाए टैक्स में कमी की जाए सहित कई प्रमुख मांगे हैं अगर इन मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। बड़े शहरों में सीटी बसे बस यूनियन 40रुपए किलोमीटर में चलाने को राजी है लेकिन सरकार एक कंपनी को 61रुपए किलोमीटर में बस चलाने का ठेका देने जा रही है इससे जनता केसरकार के धन की बर्बादी होगी।इस अवसर पर अधिवेशन में पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत को बस ऑपरेटर के संचालकों ने उनको ज्ञापन देकर उनकी मांगे पूर्ण करने की मांग की है।

देवनानी ने छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

- परीक्षा के समय तनावमुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ करे तैयारी - देवनानी

अजमेर ,(कासं)। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्रशासनिक सभागार भवन में किया गया। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने महाविद्यालय स्तर पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और भारतीय संस्कृति के प्रति उनके रुझान की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम में राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में कैंपस सिलेक्शन के माध्यम से चयनित छात्र-छात्राओं को भी योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही संस्कृति विज्ञान परीक्षा के सफल आयोजन में योगदान देने वाले 6 महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रभारी शिक्षकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। देवनानी ने कहा कि आज के दौर में विद्यार्थियों को केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास की भी आवश्यकता है। छात्रों को परीक्षा के समय तनावमुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करनी चाहिए। जब छात्र संवेदनशील और विवेकशील बनते हैं, तभी वे न केवल अपने जीवन को सफल बनाते हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग की भावना को भी विकसित करना चाहिए। इससे वे एक बेहतर नागरिक बनेंगे। जीवन में चुनौतियाँ अनिवार्य हैं, लेकिन उनके सामने धैर्य और आत्मबल के साथ खड़ा होना ही सच्ची शिक्षा का परिचायक है। देवनानी ने भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में बौद्धिक विकास होने के साथ-साथ उनमें नैतिक मूल्यों की भी स्थापना होती है। इन मूल्यों के आधार पर ही एक मजबूत, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। संस्कृति और शिक्षा का समन्वय ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है, और युवा पीढ़ी को अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति सजग होना चाहिए। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में गायत्री शक्तिपीठ के उपप्रबंधक ट्रस्टी वीरेंद्र कुमार शर्मा, मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी डॉ. भवानी सिंह राठौड़, विज्ञान भारती अजमेर के अध्यक्ष पीराराम सोनी तथा तकनीकी शिक्षा निदेशक अंशु सहगल भी उपस्थित रहे।

भवन का उद्घाटन आज

अजमेर, (कासं)। अजमेर के जयपुर रोड संयोगिता नगर में नवनिर्मित सेशन कोर्ट के नए भवन का लोकार्पण रविवार को होगा। मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश महेंद्र मोहन श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि हाईकोर्ट न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह व न्यायाधीश महेद्र कुमार गोयल होंगे। शनिवार को अजमेर जिला बार एसोसिएशन द्वारा अधिवक्ताओं को निमंत्रण हेतु पीले चावल दिए। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक रावत ने बताया कि जिला न्यायालय अजमेर की नवनिर्मित भवन का उद्घाटन रविवार को राजस्थान चीफ जस्टिस करेंगे। कार्यक्रम को लेकर शनिवार को जिला बार की कार्यकारिणी द्वारा अधिवक्ताओं को पीले चावल देकर निमंत्रण दिया है। रावत ने बताया कि देश में चंडीगढ़ के बाद में यह दूसरा बड़ा जिला न्यायालय भवन होगा। यह भवन पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। आने वाले 50 सालों तक टेक्नोलॉजी को यूज किया गया है। हाईटेक बिल्डिंग तैयार की गई है। 150 करोड़ की लागत से इस बिल्डिंग को तैयार किया गया है।

कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

अजमेर, (कासं)। श्री सर्वेश्वर मित्र मंडल अजमेर की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक संस्था अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार को सर्किट हाउस के सामने रेस्टोरेंट में आयोजित हुई। बैठक में संस्था के भावी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। संस्था महासचिव प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि बैठक का शुभारंभ स्तुति प्रार्थना के साथ हुआ। अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल ने नव निर्वाचित व नव मनोनीत सभी पदाधिकारियों कार्यकारिणी सदस्यों व विशेष आमन्त्रित सदस्यों को बधाई व शुभकामना देते हुए तीन वर्षीय कार्यकाल में सभी से सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी तथा विशेष आमन्त्रित सदस्यों ने आपसी परिचय दिया।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

शाहपुरा । विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा शनिवार राष्ट्रपति महोदया के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। जिसमें मुर्शिदाबाद से प्रारंभ हुई भीषण हिंसा संपूर्ण बंगाल में फैलती नजर आ रही है जिस पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार को बर्खास्त करने तथा वक्फ बोर्ड की आड़ में बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार एवं माता बहनों का शील भंग करने एवं हत्या जैसी घटनाओं के विरोध में संपूर्ण हिंदू समाज ने राष्ट्रपति महोदया को ज्ञापन देकर ममता बनर्जी सरकार को अतिशीघ्र बर्दाश्त करते हुए राष्ट्रपति शासन लागू करने की पुरजोर शब्दों में मांग की।

सह जिला मंत्री एडवोकेट कैलाश धाकड़ ने बताया कि ज्ञापन कार्यक्रम में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल सरकार एवं ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की तथा भारत माता के जयकारो के साथ माननीय उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंच कर से जिला मंत्री ने ज्ञापन का वाचन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सोपा गया।ज्ञापन कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद सह जिला मंत्री एडवोकेट कैलाश धाकड़,हिंदू जागरण मंच जिला संयोजक हनुमान धाकड़विश्व हिंदू परिषद सह प्रांत गौ रक्षा प्रमुख रामेश्वर लाल धाकड़ , प्रखंड विष्णु सुखवाल , विहिप नगर अध्यक्ष राजेश सिंह राणावत उपाध्यक्ष नरेश व्यास विहिप विधि प्रमुख विनोद सनाढ्य, कन्हैया लाल धाकड़(पूर्व चेयरमैन) ,शिवराज कुमावत(जिला संयोजक) अविनाश जीनगर(जिला उपाध्यक्ष) रामप्रसाद जाट,कैलाश सुवालका,दीपक पारीक,कमलेश,अंकित मालू,पंकज पाराशर,सी ए अशोक बोहरा,बसंत वैष्णव, भेरूलाल बोहरा, महेंद्र रायका, नटवर सोलंकी,पवन सुखवाल, सत्येंद्र भंडारी, आशीष शर्मा ,मनीष शर्मा, जगदीश शर्मा ,रामबक्ष रेबारी, सूर्यप्रकाश ओझा, राजेंद्र शर्मा,रामधन तेली, दुर्गेश वैष्णव, अमित वैष्णव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विहिप ने की पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

- विश्व हिन्दू परिषद ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। वक्फ बिल के विरोध की आड़ में पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रही हिंसक घटनाओं के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद की ओर से जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर लोक बंधु को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम का ज्ञापन सौंप कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की।

जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते विहिप के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री आनंद प्रकाश गोयल, प्रांत उपाध्यक्ष स्नेहलता पंवार, विभाग संगठन मंत्री बनवारी, धर्म प्रसार सह संयोजक लेखराज सिंह राठौड़, महानगर अध्यक्ष अजीत अग्रवाल, महंत श्यामसुन्दर शरण देवाचार्य, नरसिंह मंदिर के सत्यनारायण, महावीर सिंह गौड़, रणजीत सिंह राजपूत, नामदेव समाज से के सी टेलर व राधेश्याम वर्मा, ब्राह्मण समाज से सुदामा शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ता एकत्रित होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे यहां उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने जिला कलेक्टर लोक बंधु को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम का ज्ञापन सौंप कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में प्रदर्शन से जुड़े पदाधिकारी सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश किशन गुर्जर ने बताया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं के साथ अमानवीय प्रताडित् की जा रही है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है।

सार-समाचार

विश्व विरासत दिवस मनाया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। नये रेलवे स्टेशन के अंडरपास में भूमिगत पानी का लेवल ऊंचा होने से पानी भराव की समस्या के समाधान के लिये आवागमन के लिये दूसरा बॉक्स मार्ग भी खोल दिये जाने से आवाजाही को लेकर आमजन ने हर्ष व्यक्त किया। रेल्वे सलाहकार समिति सदस्य भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने अंडरपास के डिवाइडर, फुटपाथ व आवागमन की क्षितठास्त सड़क को दुरुस्त कराने हेतु निरंतर सार्थक प्रयास किये। अंडरपास से पाइप लगाकर उसके एक तरफ खोदे गये कुएं में डायवर्ट पानी की समुचित निकासी व्यवस्था पर भी जोर दिया, ताकि अंडरपास में पानी नहीं भर सके। बरसाती मौसम में भूमिगत अंडरपास में पानी भरने से लंबे समय तक आमजन सहित यात्रियों को आने जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। साथ ही रेलवे स्टेशन के आसपास की आवासीय कॉलोनियो के घरों के बेसमेंट में भी पानी भर जाने से लोगो को भारी परेशानी झेलनी पड़ी थी। भाजपा नेता पाटनी काफी समय से जनहित से जुडी समस्या के समाधान के लिये लगे रहे, जिसके चलते लोगो को आवाजाही में राहत मिल सकी।

भीषण गर्मी से बचाव के लिए टोपी बांटी

ब्यावर (निसं) हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ब्यावर जिला व्यापार संघ द्वारा भीषण गर्मी से बचाव के लिए आम जनता को लू से बचाव हेतु विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं ।जिसके तहत शनिवार को पाली बाजार स्थित बोहरा एंड संस पर श्रमिकों, हाथ ठेले एवं वृद्ध राहगीरों को करीब 151 टोपी वितरित की गई। ब्यावर व्यापार संघ ज़िलाअध्यक्ष संजय घीया ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप बोहरा के जन्मदिन उपलक्ष में सेवा कार्य करके जन्मदिन मनाया गया ।कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष संजय घीया ,प्रदीप बोहरा ,जयदीप बोहरा ,विजय लोंगानी, जेनिश भारती ,कपिल भारती ,शैलेंद्र कुमावत ,ब्रजेश साहू,कपिल तेजवानी नवल सोमानी नेमीचंद सेन ,सुनील तालेपा ,कैलाश रावत ,पवन सिंह ,विनोद फुलवारी ,सत्यनारायण सोनी ,गौरव सक्सेना, प्रकाश कुंदनानी ,अंश बोहरा ,शंकर प्रजापति ,कमलेश गोलानी, कमलेश भूतड़ा, गजराज आचार्य सहित अन्य उपस्थित रहे ।

विदेश से मृतक श्रमिक का शव तीन दिवस में मंगवाया

मसूदा (निसं)। अबू धाबी, यूएई में कार्यरत श्रमिक सबीर अहमद पुत्र पपीया का आकस्मिक निधन हो गया था। मृतक की पत्नी संतोष द्वारा जिला कलेक्टर डॉ महेन्द्र खडगावत के समक्ष निवेदन किया कि भारतीय शरीर को स्वदेश लया जाए,। जिला कलेक्टर डॉ महेन्द्र खड़गावत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की व अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया को निर्देशित किया गया कि विदेश मंत्रालय से समन्वय कर शव को शीघ्र भारत लाने की व्यवस्था की जाए। जिला प्रशासन की तत्परता से मृतक का पार्थिव शरीर तीन दिवस के भीतर अबू धाबी से भारत लाकर अंतिम संस्कार कराया गया। जिला प्रशासन द्वारा मृतक की पत्नी संतोष निवासी बाड़िया भैरू का थान श्यामगढ़, तहसील मसूदा को सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़ने की कार्रवाई की जा रही है जिससे उन्हें 1150 प्रतिमाह की पेंशन मिलेगी, साथ ही, मृतक के ,3 बच्चों को पालनहार योजना से लाभान्वित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे को 1500 प्रतिमाह की सहायता राशि दी जा रही है।प्रशासन ने दुख की इस घड़ी में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता सुनिश्चित की है।

पोषण अभियान की कार्यशाला का आयोजन

अजमेर, (कासं)। पोषण अभियान में सप्तम पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत मीडिया जागरूकता अभियान का आयोजन शनिवार को सूचना केन्द्र में किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक महेश शर्मा ने बताया कि पोषण अभियान में सप्तम पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत मीडिया जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसमें जिले के समस्त विभागीय बाल विकास परियोजना अधिकारियों, समस्त महिला पर्यवेक्षकों, पाँच आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा पोषण अभियान अन्तर्गत कार्यरत मानव संसाधनों को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अनुपमा टेलर एवं अतिरिक्त निदेशक पोषाहार द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के अन्तर्गत समस्त सम्बन्धितों को पोषण अभियान अन्तर्गत संचालित गतिविधियों तथा इससे जुडी विभिन्न तकनीकी जानकारियों के द्वारा समस्त सम्बन्धितों का क्षमतावर्द्धन किया गया तथा गतिविधियों के संचालन में आ रही समस्याओं का निराकरण किया। इसके अतिरिक्त पोषण शिक्षा, पोषण के पांच सूत्र, स्वच्छता, एनीमिया, स्वास्थ्य एवं सुनहरी खिड़की के तहत गर्भधारण करने से बच्चें के 6 माह पूर्ण होने के पश्चात की जाने वाली परिचर्या के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त पोषण प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया साथ ही मीडिया किट का वितरण भी किया गया। कार्यशाला के दौरान अन्य महत्वपूर्ण विभागीय योजनाओं, जैसे प्रधानमन्त्राी मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना आदि से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई तथा योजना से सम्बधित समस्याओं का निराकरण किया जाकर फिल्ड कार्मिकों का क्षमतावर्द्धन किया गया। कार्यशाला को रूचिकर बनाने की दृष्टि से विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों के मध्य में अल्पकालीन सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी संचालित की गई।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अजमेर, (कासं)। जिला मुख्यालय पर शनिवार को जिला कलैक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान राजस्व कार्यों की प्रगति, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, प्रकरणों के त्वरित निस्तारण एवं जन शिकायतों के समाधान की समीक्षा की गई। श्री लोक बन्धु ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे राजस्व कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखें तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त आगामी आपदा प्रबंधन तैयारियों, राजस्व वसूली, एवं खेतों के सीमांकन कार्य में तेजी लाने पर भी चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई निगरानी प्रकरणों का अंतरिम जवाब सात दिवस में भिजवाया जाए। इसमें वस्तुस्थिति और अग्रिम कार्यवाही का विवरण शामिल हो। साथ ही स्टारमार्क प्रकरणों के जवाब दो दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से प्रेषित किए जाएं। इसमें अपेक्षित कार्यवाही या कार्यवाही संभव नहीं होने की स्थिति के कारण का विवरण दिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी रात्रि चौपाल के माध्यम से नियमित जनसुनवाई और निरीक्षण करें। यह प्रक्रिया केवल औपचारिकता नहीं बल्कि प्रभावी होनी चाहिए। अधिकारी क्षेत्र में रात्रि विश्राम भी करें। इस दौरान सामने आई जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए और संबंधित डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जाए। समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी सक्षम अनुमति से ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। जिला कलैक्टर ने निर्देशित किया कि फॉर्मर रजिस्ट्रेशन शिविरों में डोर-टू-डोर सर्वे करवाकर सभी काश्तकारों का शत प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए । इसमें पीएम किसान योजना के लाभार्थियों का पंजीकरण आवश्यक रूप से कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनसुनवाई के दौरान रास्तों पर अतिक्रमण से संबंधित शिकायतों का समाधान रास्ता खोलो अभियान के अंतर्गत करवाया जाए। अभियान रूप में कार्य करते हुए रास्ता खुलवाने की कार्यवाही करे। ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति पर विशेष निगरानी रखी जाए। विशेष रूप से टेल एंड वाले ग्रामों में। जीएसएस और स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर हीटवेव से सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लेने के निर्देश दिए। विद्यालयों एवं कार्यस्थलों पर कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी की गई।

आग लगी

अजमेर । अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल की पार्किंग की छत पर इलेक्ट्रिक पैनल में शनिवार को आग लग गई। आग लगने की सूचना पर अस्पताल में हड़कंप मच गया। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल और अस्पताल कर्मचारी सहित अन्य स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया। स्टाफ और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।

आम सूचना

मेरे दादा अलानूर पुत्र अलाबक्ष जाति मुसलमान निवासी गांव मोहनपुरा तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर की मृत्यु दिनांक 4 अगस्त 1982 एवं दादी सुगनी पत्नी अलानूर की मृत्यु दिनांक 10 मार्च 1984 को बड़े गणेश मंदिर वाली गली,रेगरान मोहल्ला,कृष्णापुरी मदनगंज-किशनगढ़ पर हो गई। इन दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिये तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो 7 दिवस में अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष दर्ज कराये,बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी-रफीक पुत्र सतार खां मोहनपुरा

खनन विभाग की टीम पर हमला, मारपीट कर होमगार्ड जवान को जंगल में छोड़ा

अवैध पत्थर और ग्रेवल ले जा रहे डंपर को माइनिंग टीम ने रुकवाया, डंपर चालक बॉर्डर होमगार्ड के जवान को ही ट्रक में बंधक बनाकर ले गया

- मारपीट कर जवान को जंगल में छोड़कर भाग गया डंपर चालक, जाने से पहले चालक ने डंपर में भरी ग्रेवल और पत्थर खाली कर दिए
- खनन विभाग की सूचना पर दो थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंची, डंपर चालक और उसे एस्कॉर्ट कर रही कार में सवार लोग भाग गए

कोटा, (निसं)। प्रदेश में में खनन माफिया बेखौफ हैं। कई जगह पर खनन विभाग की टीम पर हमले भी कर देते हैं। ऐसी ही घटना शुक्रवार रात कोटा में सामने आई है। अवैध पत्थर और ग्रेवल ले जा रहे डंपर को माइनिंग टीम ने रुकवाया, लेकिन डंपर चालक बॉर्डर होमगार्ड के जवान को ही ट्रक में बंधक बनाकर ले गया। खनन विभाग की टीम ने पीछा किया तो काफी देर हाइवे पर घुमाता रहा। इसके बाद मारपीट कर जवान को जंगल में छोड़कर भाग गया। जाने से पहले चालक ने डंपर में भरी ग्रेवल और पत्थर खाली कर दिए। पूरे मामले में खनन विभाग की सूचना पर दो थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। हालांकि, डंपर चालक और उसे एस्कॉर्ट कर रही कार में सवार लोग भाग गए। खनन विभाग ने उद्योग नगर थाने में शिकायत दी है।

खनन विभाग के गंगाधर मीणा ने बताया कि हमारी टीम नेशनल हाइवे 27 के कोटा बाइपास पर रात्रि गश्त पर थे। ड्राइवर नरेंद्र हाड़ा, बॉर्डर होमगार्ड जवान परमजीत और मदन साथ थे। देर रात करीब 1:50 बजे रेल ओवरब्रिज के ऊपर से झालावाड़ रोड से नया नोहरा की तरफ डंपर जाते दिखा। हमने पीछा कर हाइवे पर कैथून चौराहे के पहले रोक लिया, रवन्ना व कागज मांगे। अवैध होने पर डंपर को जब्त कर रहे थे। बॉर्डर होमगार्ड जवान परमजीत डंपर में बैठ गया था। तभी चालक ने डंपर भगाना शुरू दिया। होमगार्ड जवान परमजीत भी डंपर में ही था। पहले डंपर चालक इसे नया नोहर ले गया। डंपर को एक कार एस्कॉर्ट कर रही थी, जिसने खनन विभाग की टीम के वाहन को आगे नहीं जाने दिया। इसके बाद डंपर वापस नया नोहरा से झालावाड़ रोड की तरफ मुड़ गया।

मीणा ने बताया कि डंपर रेलवे ओवरब्रिज के पास फॉरेस्ट एरिया में कच्चे रास्ते से प्रवेश कर गया, जहां होमगार्ड जवान परमजीत के साथ मारपीट की गई और डंपर में भरा ग्रेवल व पत्थर खाली कर दिए। हमने इस संबंध में पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद अनंतपुरा और रानपुर थाना पुलिस मौके पर आई। हालांकि, एस्कॉर्ट कर रही कार और डंपर फरार हो गए। इसमें एस्कॉर्ट कार में तीन से चार लोग सवार थे, जबकि डंपर चालक अकेला था। इन सभी ने होमगार्ड जवान परमजीत से मारपीट भी की। दोनों वाहनों में नंबर प्लेट नहीं थी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने सोनार दुर्ग का निरीक्षण किया

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सोनार दुर्ग को ऐतिहासिक धरोहर बताया

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सोनार दुर्ग का निरीक्षण कर निर्देश दिये।

जैसलमेर, (नि.सं.)। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को विख्यात जैसलमेर किले का पूर्व महारावल चैतन्यराजजी और पोकरण विधायक मंहत प्रताप पुरी के साथ गहन निरीक्षण किया। इस दौरान किले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आभा बनाए रखने पर उद्देश्यपूर्ण विमर्श हुआ। इस क्रम में एएसआई व जिला प्रशासन के अधिकारियों को उचित रखरखाव के निर्देश दिए।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को सुबह पूर्व महारावल चैतन्यराज जी और पोकरण विधायक मंहत प्रताप पुरी जी के साथ सोनार दुर्ग का निरीक्षण कर यहां के ऐतिहासिक स्थलों एवं राज प्रसाद संग्रहालय का अवलोकन कर

- शेखावत ने श्रीलक्ष्मीनाथजी मंदिर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की

यहां प्रदर्शित प्राचीन ऐतिहासिक भीत्ति चित्रों व संग्रहित शस्त्रों को अद्भूत खजाना एवं सोनार दुर्ग को ऐतिहासिक धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि विश्व धरोहर सूची में दर्ज इस किले का अपना एक गौरवमयी इतिहास है। इस किले के प्राचीन स्वरूप एवं सौंदर्य को बनाए रखना हम सब दायित्व है। साथ ही उन्होंने जैसलमेर के समृद्ध इतिहास के बारे में जानकारी लेते हुए सोनार दुर्ग के बाहरी स्वरूप एवं संकरी गलियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किले की क्षतिग्रस्त दीवारों व जगह-जगह कमजोर हो रहे पुराने छज्जों एवं अन्य भागों का जीर्णोद्धार कर इसके प्राचीन स्वरूप एवं सौंदर्य को लौटने व सुरक्षित एवं संरक्षित करने पर जोर दिया। साथ ही इसके उचित रख-रखाव के निर्देश दिए। वहीं केंद्रीय मंत्री शेखावत ने सोनार दुर्ग में स्थित भाटी वंश के आराध्य देव श्रीलक्ष्मीनाथजी मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कमाना की। इस दौरान पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी, जिला कलेक्टर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष दलपत हिंगड़ा, कंवराज सिंह , बिक्रम सिंह नाचना सहित कई जने साथ रहे।

रिटायर्ड टीचर को पत्नी के स्कूल के प्रिंसिपल ने ठगा

- शेयर मार्केट में मोटी कमाई का झांसा दिया, 93 लाख रुपये हड़पने का आरोप
- कोटकासिम के निकट करनीकोट गांव निवासी रिटायर टीचर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी

अलवर, (निसं)। खैरथल तिजारा क्षेत्र के करणीकोट निवासी रिटायर टीचर को उसकी पत्नी के स्कूल के प्रिंसिपल ने ठग लिया। शेयर मार्केट में पैसा लगाकर मोटी कमाई का लालच दिया। खुद के घर बुलाकर कई बार में 93 लाख रुपए ले लिए। आखिर में यह बोल दिया कि शेयर मार्केट में घाटा लग गया। जब पैसा नहीं लौटाया तो पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

कोटकासिम के निकट करनीकोट गांव निवासी रिटायर टीचर धर्मवीर यादव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि उसकी पत्नी राजीकय बालिका उमावि पदमाड़ा कला में सीनियर टीचर हैं। इसी स्कूल में आरोपी अशोक कुमार यादव प्रिंसिपल हैं। पत्नी के स्कूल में प्रिंसिपल होने के कारण परिवार से परिचय हो गया। इसलिए एक दिन अशोक कुमार यादव ने उनको खुद के अलवर शहर के 60 फीट रोड घर पर बुलाया। यहां शेयर मार्केट में मोटा पैसा कमाने का लालच दिया। बार-बार कहा कि मेरे बेटे-बेटी शेयर मार्केट में काम करते हैं। आप इसमें हमारे साथ काम करोगे तो मोटा कमाई करोगे। सबसे पहले मेरी पत्नी के बैंक से 11 लाख रुपए चेक से लिए, फिर और रकम मांगी। तब आरोपी प्रिंसिपल ने भी कहा कि मेरा बैंक खाता सीज हुआ पड़ा है। आप अपनी बेटी के नाम से डीमेट अकाउंट खुलवा लो। फिर उस अकाउंट को आरोपी ने खुद के बेटे विशाल को हैंडल करने को दे दिया। उसके बाद आरोपी प्रिंसिपल का बेटा ही हमारे अकाउंट को चलाने लग गया। बाद में कई बार में ओटीपी लेकर कुल 93 लाख रुपए ले लिए। ज्यादातर पैसा उनके खातों में गया है।

टीचर ने बताया कि उसे रिटायरमेंट पर करीब 76 लाख रुपए मिले थे। यह रकम भी कई बार में सीधे अकाउंट के जरिए ली है। पत्नी के खाते से भी पैसे लिए हैं। पूरा पैसा खातों से ट्रांसफर हुआ है। आरोपी प्रिंसिपल की बेटी के खाते में 42 लाख रुपए गए हैं। जिसका बैंक रिकॉर्ड भी है। इस रकम को लेकर आरोपी प्रिंसिपल ने कहा था कि यह उनका प्रॉफिट है, लेकिन हमारे पैसे का कोई हिसाब नहीं दिया। आखिर में यह कह दिया कि आपका पैसा शेयर मार्केट में डूब गया। जबकि पैसा इन्होंने लिया था। यह कहा था कि मार्केट में मोटी कमाई होगी। आप रकम दीजिए, तुम्हें तो ब्याज सहित पैसा लौटाया जाएगा। टीचर की रिपोर्ट के बाद मुकदमा दर्ज हो गया है। अब पुलिस जांच में लगी है। जांच के बाद ही आगे कार्यवाही की जाएगी।

मजदूर की मौत पर संगरिया में विरोध प्रदर्शन

- परिजनों ने मुआवजे और नौकरी की मांग की, दो युवक पानी की टंकी पर चढ़े
- मृतक के परिजन और विधायक अभिमन्यु पूनिया पुलिस थाने के सामने धरने पर बैठे

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के संगरिया में एक मजदूर युवक की मौत के विरोध में प्रदर्शन जारी है। मृतक के परिजन और विधायक अभिमन्यु पूनिया पुलिस थाने के सामने धरने पर बैठे हैं। दो युवक रोहित जावा और अनिल सिहाग वाटरवर्क्स की ओवरहेड टंकी पर चढ़ गए।

मृतक अजय कुमार के पिता जोगेंद्र सिंह ने बताया कि उनका बेटा जीसीएस फैक्टरी में मजदूरी करता था। ठेकेदार बलजीत सिंह ने उसे 30 फीट ऊंचे पुराने शैड पर काम करने को कहा। अजय ने मना किया, लेकिन उसे धमकाकर ऊपर भेज दिया गया। कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए।

शैड टूटने से अजय की गिरकर मौत हो गई। परिजनों की मांग है कि उन्हें मुआवजा दिया जाए और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। वे थाना प्रभारी तेजवंत को हटाने की भी मांग कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, वे हनुमानगढ़ सरकारी अस्पताल में रखे शव को नहीं उठाएंगे। ग्रामीणों ने ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मृतक के दादा टेनी, परिजन रामदास, गुरप्रीत सिंह सहित कई ग्रामीण प्रदर्शन में शामिल हैं। परिजनों का आरोप है कि उन्हें समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है।

दरगाह में मंदिर विवाद प्रकरण: कोर्ट में सुनवाई टली

अजमेर, (कासं)। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा ख्वाजा साहब की दरगाह के गर्भगृह में शिव मंदिर के दावे को लेकर अजमेर कोर्ट में शनिवार को सुनवाई टल गई। मामले में अब अगली सुनवाई 31 मई को होगी। वादी विष्णु गुप्ता द्वारा एक स्थगन प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया गया, जिस कोर्ट में केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय और एएसआई ने अपना जवाब प्रस्तुत किया।

एडवोकेट योगेंद्र ओझा ने बताया कि शनिवार को अजमेर कोर्ट में ख्वाजा साहब की दरगाह में मंदिर मामले को लेकर शनिवार को सुनवाई होनी थी। प्रार्थना पत्र और जिला न्यायाल य की नई बिल्डिंग का उद्घाटन, वादी विष्णु गुप्ता के साथ सुप्रीम कोर्ट के वकील के नहीं आने और नए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के कारण जवाब के लिए सुनवाई को टाल दिया गया। मामले में अब अगली सुनवाई 31 मई को होगी। कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र प्रतिवादी संख्या 2 और 3 के द्वारा प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त प्रार्थना पत्र में भारत संघ नाम से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है, इसलिए खारिज किया जाए, जिसको लेकर वादी विष्णु गुप्ता जवाब प्रस्तुत करेगा। मालूम हो कि बिजयनगर कांड को लेकर जिला बार एसोसिएशन द्वारा अजमेर बंद को दिए गए समर्थन के चलते सुनवाई टल गई थी। यहां उल्लेखनीय है कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दरगाह में मंदिर के दावे को लेकर अजमेर कोर्ट में याचिका लगाई थी, इसके बाद दरगाह कमेटी ने याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कोर्ट में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। वहीं अब मामले में अजमेर दरगाह से जुड़ी खादिमों की संस्था अंजुमन कमेटी ने हाईकोर्ट में सुनवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका लगाई है।

अवैध हथियार रखने वाले दो युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई में अवैध हथियार रखने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

लखुवाली पुलिस चौकी की टीम ने पहली कार्रवाई में एलके माइनर कच्चा रास्ता नर्सरी लखुवाली से रणजीतपुरा निवासी 35 वर्षीय रामजी पुत्र संतराम मेघवाल को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एक अवैध लोहे का धारदार कापा बरामद हुआ। दूसरी कार्रवाई में पीलीबंगा रोड बस स्टैंड लखुवाली से 24 वर्षीय शहनाज पुत्र शुकिन खान को गिरफ्तार किया गया। इसके पास से भी एक अवैध लोहे का धारदार कापा बरामद किया गया। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

34 हजार नशे के कैप्सूल बरामद

श्री गंगानगर, (निसं)। जिले में नशे के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन सीमा संकल्प व फाल्स आउट के तहत सदर थाना पुलिस ने 34000 नशीले कैप्सूल सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है।

सदर थानाधिकारी सुभाष ढिल ने बताया कि एक युवक को 34,000 प्रतिबंधित प्रैगाबैलिन कैप्सूल की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी इन कैप्सूल को मेडिकल स्टोरों पर सप्लाई करने की फिराक था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान आरोपी सुमित मिढा (35) पुत्र अशोक कुमार निवासी सेतिया फार्म गली नम्बर 13. हाल सेक्टर नम्बर 3 जवाहरनगर श्रीगंगानगर के रूप में हुई। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से नशीली दवाओं की सप्लाई कर रहा था। शहर में पहले भी प्रतिबंधित दवाओं की खेप पकड़ी जा चुकी है। हालांकि पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही कर रही है, लेकिन नशा तस्कर फिर भी बेखौफ होकर तस्करी कर रहे हैं। फिलहाल सदर पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ थाना सदर श्रीगंगानगर में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

ट्रेन के एसी कोच में 18 लाख रुपये के जेवर चोरी

श्रीगंगानगर, (निसं)। झालावाड़-श्रीगंगानगर ट्रेन के एचए-वन एसी कोच में एक दंपती के करीब 18 लाख रुपए से अधिक के सोने के जेवरात चोरी हो गए। बीकानेर के व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र के पवनपुरी हाउसिंग बोर्ड निवासी नीरज चावला ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि वह अपने परिवार सहित जयपुर से बीकानेर ट्रेन नंबर 22997 में कोच नंबर एचए-1 में आ रहा था, रात में करीब साढ़े बारह बजे सो गए थे, रात में डेढ़ बजे आंख जगी तो वॉशरूम में चला गया, तब मेरी पत्नी व पुत्र सीटों पर सो रहे थे। जब वह वापिस आया तो देखा कि उसकी पत्नी रो रही थी, पत्नी ने बताया कि अभी एक युवक आया और लेडीज पर्स छिनकर भाग गया, तब वह नींद में थी, पर्स छिनने के साथ ही वह जाग गई। घटना की जानकारी टीटीई, कोच अटेंडेंट को दी गई।

नाबालिग बालिका का बाल विवाह रूकवाया

बाल विवाह रूकवाने के लिये टीम के सदस्यों ने कार्रवाई की।

- 20 अप्रेल को थी शादी, प्रशासन की टीम ने परिजनों को पाबंद किया

कोटा, (निसं)। बाल अधिकारिता विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलायंस के सहयोगी संगठन सृष्टि सेवा समिति की संयुक्त टीम ने रानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हो रहे 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के बाल विवाह को मौके पर जाकर रुकवाया। वहीं प्रशासन की टीम ने परिजनों को बाल विवाह न करने को लेकर पाबंद किया।

जिला बाल संरक्षण इकाई व बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि उन्हें उक्त थाना क्षेत्र में हो रहे बाल विवाह की सूचना मिली थी, जिस पर उनके द्वारा टीम को कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए। निर्देश के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के कॉ-ऑर्डिनेटर नरेश मीणा ने लाड़पुरा तहसीलदार को पत्र प्रेषित कर बाल विवाह की सूचना दी, जिस पर तहसीलदार द्वारा संबंधित थाने को बाल विवाह के संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इधर चाइल्ड हेल्पलाइन के कॉ-ऑर्डिनेटर नरेश मीणा, काउंसलर महिमा पांचाल, वॉलिंटियर सौरभ मेहरा तथा सृष्टि सेवा समिति के डिस्ट्रिक्ट कॉ-ऑर्डिनेटर भूपेंद्र सिंह पुलिस थाना रानपुर पहुंचे, जहां पर उपस्थित ड्यूटी अधिकारी मुख्य आरक्षी भारत राज को बाल विवाह की जानकारी दी। तत्कालीन समय पर पटवारी शुभम भी मौके पर पहुंचे।

संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि टीम जब बालिका के घर पर पहुंची तो वहां विवाह की रस्म-रिवाज इत्यादि चल रहे थे, बालिका के हल्दी मेहंदी लगी हुई थी, अचानक से टीम को देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया। टीम द्वारा जब बालिका के परिजनों से बातचीत की गई तो पता चला कि बालिका का विवाह 20 अप्रेल को होने वाला था और बारात बारां से आएगी। टीम द्वारा जब बालिका के जन्म संबंधी दस्तावेज जांचे गए तो बालिका की 15 वर्ष आयु की पाई गई। जिस पर उपस्थित प्रशासन की टीम ने बालिका के परिजनों को बालिका का विवाह न करने को लेकर पाबंद किया। टीम द्वारा बालिका को बाल कल्याण समिति सदस्य हरप्रीत कौर के समक्ष पेश करके राजकीय बालिका गृह में अस्थाई आश्रय दिलवाया गया।

पाली में नाबालिग से रेप का आरोप

- नाबालिग लड़की सोनोग्राफी में 14 सप्ताह की गर्भवती पाई गई

पाली, (नि.सं.)। पाली के एक अस्पताल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पेट दर्द की शिकायत पर इलाज के लिए लाई गई एक नाबालिग लड़की सोनोग्राफी में 14 सप्ताह की गर्भवती पाई गई। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

घटना 17 अप्रैल की शाम की है, जब परिजन नाबालिग को पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल के ट्रोमा वार्ड लेकर पहुंचे। डॉक्टरों को शक होने पर करवाई गई सोनोग्राफी में नाबालिग के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। यह जानकर परिजनों के होश उड़ गए। रोते हुए उन्होंने कहा कि उनकी बेटी तो अभी बच्ची है, वह कैसे गर्भवती हो सकती है। एक थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले छह महीनों में उनकी नाबालिग बेटी के साथ कई बार जबरदस्ती की गई।

गुड़ा एंदला एसएचओ कपूराराम ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल नाबालिग का अस्पताल में इलाज जारी है और उसके बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, जिससे आरोपी की पहचान की जा सके।

सरकारी स्कूल के कमरे की छत की पट्टी टूटकर गिरी

खैरथल-तिजारा के हरसोली स्कूल में लंच के दौरान हादसा हुआ

- तीन छात्राएं घायल, दो छात्राओं की स्थिति गंभीर, अलवर जिला अस्पताल रैफर किया, प्रिंसिपल सहित शिक्षा अधिकारी बच्चियों से मिलने अस्पताल पहुंचे

खैरथल, (निसं)। जिले के हरसौली गांव में एक सरकारी विद्यालय में कमरे की छत की पट्टी के अचानक गिरने से कक्षा तीन व चार में अध्ययनरत तीन छात्राएं चोटिल हो गई। स्कूल के कमरे की छत की पट्टी टूटकर गिरने से विद्यालय स्टाफ व बच्चों में अफरा-तफरी मच गई।

यह हादसा लंच ब्रेक के दौरान घटित हुआ जब तीनों बालिकाएं खेलते-खेलते कमरे में चली गई थी। अचानक स्कूल कमरे की पट्टी टूटने व छात्राओं की चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद अध्यापक दौड़े और घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले गए। दो छात्राओं की स्थिति गंभीर होने के चलते उन्हें अलवर जिला अस्पताल रैफर किया गया, जबकि एक छात्रा को खैरथल के राजकीय सैटेलाइट अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सीटी स्कैन जांच के लिए अलवर भेजा गया।

स्कूल प्रिंसिपल संतोष कुमार से फोन पर बात की तो उन्होंने बताया कि वह अवकाश पर थे। हादसे का पता लगने पर वह अस्पताल बच्चों के पास में है। शिक्षा अधिकारी शकुंतला मीणा भी बच्चों से मिलने अस्पताल पहुंची है। प्रिंसिपल संतोष कुमार ने बताया कि स्कूल में लंच का समय था। अचानक कमरे में छत की पट्टी टूटकर नीचे गिरने पर पारुल सोनिया शिवानी चोटिल हुए हैं।

मादक पदार्थ सहित दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में आशीष प्रजापत कार्यकारी वृत्ताधिकारी देवली व दूनी थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व गठित दो टीमों द्वारा कस्बा आंवा व राजमहल में अलग-अलग जगह दबिश देकर 1.170 किलोग्राम भांग व 820 ग्राम भांग की पत्तियां जब्त कर दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही अवैध बजरी खनन व परिवहन में फरार चल रहे अभियुक्त सीताराम पुत्र पोखर जाट को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी रामकिशन गुर्जर पुत्र जगदीश गुर्जर निवासी ख्वासपुरा थाना दूनी के कब्जे से 400 ग्राम भांग 150 ग्राम भांग पत्तियां तथा 1450 रुपये बिक्री राशि के रुप में जब्त कर रामकिशन गुर्जर को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार कस्बा राजमहल में सुरेश कुमार मीणा पुत्र प्रभूलाल निवासी कुरासिया थाना टोडारायसिंह के कब्जे से 770 ग्राम भांग 670 ग्राम भांग पत्तियाँ तथा 240 रुपये बिक्री राशि के रुप में जब्त कर गिरफ्तार किया गया।

अवैध हथियारों की तस्करी मामले में अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा

पांच गिरफ्तार, 11 अवैध देशी पिस्टल, 17 मैगजीन व 15 जिन्दा कारतूस बरामद

- डीसीआरबी व सायबर सैल के इनपुट पर हुई कार्रवाई, तस्करों और बदमाशों को हथियार सप्लाई करते थे

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी और सप्लाई को लेकर अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा करते हुए 11 अवैध देशी पिस्टल, 17 मैगजीन व 15 जिंदा कारतूस बरामद करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक किशोर को पुलिस संरक्षण में लिया है।

पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने बताया कि बालोतरा में अवैध हथियारों की सप्लाई और तस्करी को लेकर पुलिस लम्बे समय से नजर बनाए हुई थी। डीसीआरबी कांस्टेबल मोहनलाल को इनपुट मिला जिसको डवलप करते हुए कल्याणपुर, पचपदरा और बालोतरा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने बताया कि पुलिस को इनपुट मिला कि अवैध हथियारों की बड़ी खैप मध्यप्रदेश से बालोतरा आ रही हैं। जिस पर साइबर सैल प्रभारी हैड कांस्टेबल गोमाराम, डीसीआरबी कांस्टेबल मोहनलाल, कांस्टेबल मेघाराम, जोगाराम और अशोक की टीम अलर्ट हुई जिस पर टीम ने कल्याणपुर थाना हल्के के एक रावली ढाणी ढाबे से गणपत सिंह पुत्र भंवरसिंह निवासी आकल और उसके विधि से संघर्षरत किशोर को डिटेन किया। गणपत सिंह के कब्जे से 7 अवैध पिस्टल, 11 मैग्जिन, 11 जिंदा कारतूस बरामद किए। वहीं दूसरी कार्रवाई में बालोतरा थाना पुलिस ने खेड रोड से जितेन्द्रदान पुत्र लालदान चारण निवासी बालेवा पुलिस थाना गिराब बाडमेर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

वहीं तीसरी कार्रवाई पचपदरा के पुरोहितजी होटल में सामने पचपदरा थानाधिकारी अमराराम खोखर व डीएसटी प्रभारी इमरान खां के साथ किराए के मकान से चुतराराम पुत्र हनुमानराम निवासी रतेऊ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल मय मैगजीन बरामद की। वहीं चौथी कार्रवाई भी पचपदरा थाना क्षेत्र में हुए, जहां पर साइबर सैल प्रभारी गोमाराम और डीसीआरबी कांस्टेबल मोहनलाल की सूचना पर पचपदरा थानाधिकारी अमराराम खोखर मय टीम ने भारतमाला के निमार्णाधीन रेस्टे एरिया से सचिन उर्फ सुखा पुत्र पारसराम विश्नोई निवासी कुडी तथा केसरीचंद पुत्र मनोहरराम विश्नोई निवासी विष्णुनगर जालोडा पुलिस थाना लोहावट को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने बताया कि अंतर्राज्यीय गिरोह मध्यप्रदेश से हथियार लाकर बालोतरा और बाडमेर जिले में अवैध-डोडा तस्करों, शराब तस्करों और बदमाशों को सप्लाई करते थे, तस्कर और बदमाश इन हथियारों का उपयोग पुलिस पर फायर करने, समाज में दहशत फैलाने के लिए करते थे, लेकिन अब इस खेल की कड़ी से कड़ी जोड़कर पुलिस ऐसे तमाम लोगों तक पहुंचेगी जो शान के लिए अवैध हथियार रखने का शौक रखते हैं।

कृषि अनुसंधान केन्द्र

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा-327001 (राज.)

Visit us: www.mpuat.ac.in, E-mail: zdr_asrb@yahoo.com, Mo.: 8112207969, 9414989929

क्रमांक: एफ( )/कृअके/स्टोर/2025/77-85 दिनांक : 19/04/2025

आम फलों की नीलामी

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस केन्द्र के फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा पर लगभग 3.18 हैक्टर में आम के फलित पेड़ों (दशहरी, केसर, लगड़ा, मल्लिका, आम्रपाली, बोम्बे, गीन, चोसा एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दिनांक 26/04/2025 को प्रात: 11.00 बजे, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहां है जैसे है कि स्थिति की जानी है। अत: इच्छुक क्रेता समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग लेवें। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि 14000/- नगद जमा करवानी होगी। साथ ही बोलीदाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तों की सहमति रूपये 100/- के स्टॉम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा एक ब्लेंक चैक (खाली चैक) धरोहर राशि के साथ जमा करावें। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति के नाम होगी, उसे बोली की राशि की आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरंत जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही बगीचे में प्रवेश वांछित होगा। नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी एवं बगीचों के अवलोकन हेतु कार्यालय समय (प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक) में सम्पर्क कर सकते है।

- संभागीय निदेशक अनुसंधान

रोड कट रिपेयर के नाम पर धावास में घटिया सड़क बनाने का विरोध

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से धावास में रोड कट रिपेयर के नाम पर घटिया सड़क बनाने का स्थानीय निवासियों ने विरोध शुरू कर दिया है। इस संबंध में जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त को ज्ञापन भी दिया गया है। इसमें बताया गया है ठेकेदार सड़क की मामूली सी खुदाई करके जीएसबी डब्लूएमएम डाल रहा है जो एक बरसात भी नहीं चलेगी।

गांधीपथ वैशालीनगर के आसपास की कालोनियों में बीसलपुर की पानी की लाइनों की खुदाई हुई थी। इसके बाद सड़क को रिपेयर करने के लिए जेडीए ने टेंडर किए थे। इसमें मानवी कंस्ट्रक्शन ने जीएसबी-डब्लूएमएम डालने का काम हाथ में लिया था। जीएसबी डब्लूएमएम डेढ फीट मिट्टी की खुदाई करके डालनी थी लेकिन ठेकेदार के आदमी सिर्फ 4-4 इंच की खुदाई करके सड़क रिपेयर करने का काम कर रहे हैं। लोगों ने जब इसका विरोध किया तो ठेकेदार के आदमियों ने स्थानीय निवासियों को ही धमकाना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि काम जिस तरीके से हो रहा है उसी तरीके से होगा।

मौके पर जेडीए के इंजीनियर्स भी मौजूद नहीं है जिससे सड़क बनाने वाले ठेकेदार को मनमर्जी से काम करने की छूट मिली हुई है।

एक बरसात में साफ हो जाएगी

यह सड़क एक बरसात में साफ हो जाएगी। इसमें मजबूती के लिए जीएसबी डब्लूएमएम पूरी तरह से नहीं की गई है। अब इसके ऊपर डामर की जाएगी। लोगों का कहना है जब नींव ही मजबूत नहीं होगी तो ऊपर डामर वाली सड़क कैसे टिकेगी।

खराब होने पर जिम्मेदारी तय नहीं

सड़क रोड कट रिपेयर होने पर ठीक करने की जिम्मेदारी सिर्फ छह महीने की है। इस काम में भी डामर अलग ठेकेदार से कराई जाएगी और जीएसबी-डब्लूएमएम कोई दूसरा ठेकेदार करेगा। इसके बाद अगर सड़क टूटती है तो इसे ठीक करने की जिम्मेदारी किसकी होगी अभी तक यह भी तय नहीं किया गया है।

फर्म पर मिट्टी चोरी का आरोप

धावास में काम करने वाली फर्म मानवी कंस्ट्रक्शन पर जयरामपुरा में सरकारी जमीन से मिट्टी चोरी कर सड़क बनाने का आरोप है। जयरामपुरा में इस फर्म ने घटिया काम किया था। मोरम की जगह रोडी का चूरा डाल कर सड़क बना ली थी और करोड़ों रुपए का बिल भी उठा लिया था। जोन 12 ए में हुए इस घटिया काम की शिकायत जेडीए आयुक्त को की गई थी।

जयपुर-सीकर रोड पर बढ़ते यातायात का दबाव कम करने और अनुपयोगी पड़े बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर को हटाने का काम शुरू हो गया है।

प्रदेशभर में ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी अभियान शुरू

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेभर में आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। गर्मियों के मौसम को देखते हुए 19 अप्रेल से 5 मई तक ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी विशेष अभियान चलाया रहा है। इस अभियान के तहत पहले ही दिन 114 निरीक्षण कर 313 नमूने लिए गए।

- **पहले ही दिन 114 निरीक्षण किए, 313 सैम्पल लिए**

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि गर्मी के मौसम में आमतौर पर खाद्य पदार्थों के जल्द खराब होने एवं डेयरी उत्पादों में मिलावट के मामले अधिक बढ़ जाते हैं। इसे देखते हुए आमजन को शुद्ध एवं मिलावट रहित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने तथा निरामय राजस्थान की अवधारणा को मजबूत करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त एच गुईटे ने बताया कि अभियान के तहत सभी जिलों में प्रत्येक एफएसओ को इस अवधि के दौरान 60 नमूने लेने का लक्ष्य दिया गया है। इसके तहत पहले दिन प्रदेशभर में खाद्य पदार्थों के 124 एन्फोर्समेंट एवं 189 सर्विलांस सैम्पल लिए गए। ये नमूने डेयरी उत्पाद, शीतल पेय पदार्थ, स्नेक्स एवं मिठाई आदि के लिए गए हैं।

नमूने लेने के साथ ही मिलावट के संदेह के आधार पर 984 किलो खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई एवं 2600 किलो से अधिक खाद्य सामग्री सीज की गई है। गुईटे ने बताया कि इस अभियान के दौरान 5 मई तक 6000 नमूने लिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक जिले में खाद्य निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया जाएगा और दैनिक आधार पर आयुक्तालय से प्रगति की सीधे निगरानी की जाएगी। साथ ही ऐसी निर्माण इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो मानदंडों का उल्लंघन कर खाद्य सामग्री का निर्माण कर रही है या मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाती हैं। दूसरे चरण में अधिक निर्माण इकाइयों और थोक विक्रेताओं को कवर किए जाएगा। उन्होंने बताया कि निरामय राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की दिशा में विभाग मिलावट के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

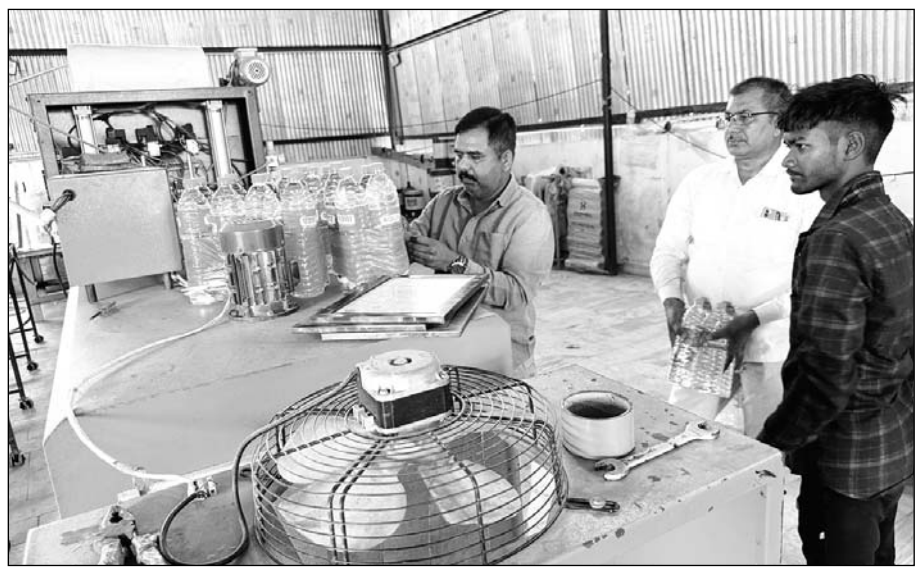

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

एक लाख का इनाम देगी चाणक्य सेना

जयपुर। चाणक्य सेना ने फिल्म निर्देषक अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मण समाज के विरूद्ध की गई टिप्पणी से समाज में भारी आक्रोश है। अनुराग कश्यप देश में जहां कहीं भी दिखेगा, उसका मुंह काला किया जाएगा। इसके लिए चाणक्य सेना ने घोषणा की है कि अनुराग कश्यप का जो भी व्यक्ति मुंह काला करेगा, उसे 1 लाख रूपये नगद इनाम दिया जायेगा। इस संदर्भ में आज पूरे देश के ब्राह्मण संगठनों ने जबरदस्त विरोध एवं आक्रोश व्यक्त किया है। चाणक्य सेना, सर्व ब्राह्मण महासभा, ब्राह्मण सेवा संघ, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, विश्व ब्राह्मण परिषद, अखिल भारतीय ब्राह्मण संघ की आज ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से संगठनो के पदाधिकारी जुडे। बैठक की अध्यक्षता सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चाणक्य सेना के मुख्य संरक्षक पं. सुरेश मिश्रा ने की। उन्होने कहा कि अनुराग कश्यप जैसे पागल लोगों का इलाज होना जरूरी है। जो कि ब्राह्मणों के विशय में अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं और समाज में विध्वंस फैलाने का काम कर रहे हैं। बैठक में सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चाणक्य सेना के मुख्य संरक्षक पं. सुरेश मिश्रा, ब्राह्मण सेवा संघ विशम्भर दयाल शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा श्री केएन तिवाडी, विश्व ब्राह्मण परिषद डॉ. के.वी. शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण संघ के प्रवीण मिश्रा, नरिष्यन्त शर्मा, डॉ. ओम शर्मा, जितेश शुक्ला सहित कई पदाधिकारी सम्मिलित हुये।

एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र में नई व्यवस्था नहीं : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के समर्थन में भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव, प्रदेश के सभी संभाग से पदाधिकारी, सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, पूर्व कुलपति, सेवानिवृत्त सेना अधिकारी, विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रोफेसर्स, उपस्थित रहे।

- **एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान में हम सभी को निभानी है सहभागिता : सुनील भार्गव**
- **एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के समर्थन में भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी और प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित**

राठौड़ ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव आज के समय की जरूरत है। लोकतंत्र में यह व्यवस्था नई नहीं है, जब देश आजाद हुआ तब यह व्यवस्था चुनाव प्रणाली में लागू थी, लेकिन कांग्रेस ने अनुच्छेद 356 का दुरूपयोग करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निरंतर बाधित किया। देश में एक बार चुनाव से करोड़ों रूपयों को बचाया जा सकता है। इसके साथ ही बार बार आचार संहिता लगने से आमजन का जनजीवन प्रभावित होता है, इससे भी बचा जा सकता है। वहीं देश में एक बार चुनाव करवाने से चुनाव व्यवस्था में होने वाले खर्चे की बचत होगी और देश की जीडीपी में करीबन 1.5 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम सभी को एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली का समर्थन करना होगा। एक चुनाव से केंद्र और राज्यों में आने वाले सरकारें पांच वर्षों तक स्थितरता के साथ सिर्फ और सिर्फ विकास कार्यों में ही रणनीतियां केंद्रित कर पाएगी। इस प्रणाली से नीति निर्माण में सुसंगतता आएगी, विकास योजनाओं को गति मिलेगी और संसाधनों की व्यापक बचत होगी।

अभियान के प्रदेश् संयोजक सुनील भार्गव ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान में सरकार के साथ हम सभी को समान सहभागिता निभानी होगी। इस अभियान को जन समर्थन मिलने के बाद मोदी सरकार कानून बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगी। ऐसे में हम सभी को इस पहल के प्रति जागरूकता बढ़ानी है, जनसमर्थन जुटाने है और इसे सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी है। बैठक में उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अभियान को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत में शासन को सुव्यवस्थित करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को उसके अनुकूल बनाने की आकांक्षाओं को देखते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में उभरी है जिसके लिए गहन विचार-विमर्श और आम सहमति की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से भारत में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया और उसकी रिपोर्ट को 2024 में जारी किया गया था। इसकी सिफारिशों को 18 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकार किया गया, जो चुनाव सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रस्तावित (21 से 24 अप्रेल) जयपुर यात्रा को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में शनिवार सुबह मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों की बैठक ली। शर्मा ने निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति वेंस की जयपुर यात्रा को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के लिए संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय से पूर्ण करें। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जाएं। साथ ही, शहर में यातायात नियंत्रण को लेकर भी समुचित व्यवस्था रखी जाए।

- **संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की 21 से 24 अप्रेल को प्रस्तावित है जयपुर यात्रा**

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति की जयपुर यात्रा से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया जाए।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रस्तावित जयपुर यात्रा में उनके साथ धर्मपत्नी उषा वेंस, उनके बच्चे और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सदस्य भी शामिल होंगे। इस दौरान उपराष्ट्रपति का जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

''कल्चरल डायरीज''में लोकनृत्यों ने मोहा मन

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'कल्चरल डायरीज' कार्यक्रम का दूसरा दिन जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल में पारंपरिक लोकनृत्यों की छटा के साथ संपन्न हुआ। इस सांस्कृतिक संध्या में धरोहर संस्था, उदयपुर के लोक कलाकारों ने प्रदेश की विविध लोक नृत्य शैलियों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया। गौरतलब है कि कल्चरल डायरीज कार्यक्रम की प्रेरणा स्त्रोत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी हैं, जिनके मार्गदर्शन में राज्य पर्यटन और संस्कृति के समन्वय को नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है। उन्होंने पारंपरिक कलाओं को संरक्षित करने और लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस आयोजन को निरंतर प्रोत्साहित किया है।

धरोहर संस्थान उदयपुर के कलाकारों ने शनिवार की शाम दर्शकों के समक्ष घूमर, चरी, भवाई, तेरहताली, कालबेलिया, गवरी और मयूर नृत्य जैसे पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए जिनमें राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता और जीवंत परंपराएं मुखरित हुईं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना से किया गया। उसके पश्चात स्वागत गीत राग खमाज पर आधारित केसरिया बालम आवो.. नी पधारो म्हारे देस गीत पर नृत्यांगना द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुति ने कार्यक्रम की शुरुआत से ही दर्शकों को अपने मोहपाश में कैद कर लिया। इसके पश्चात शादी- ब्याह के अवसर गुर्जर समुदाय की महिलाओं द्वारा किया जाने वाला पारम्परिक नृत्य चरी नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें महिला कलाकाकरों ने सिर पर जलती चरी लेकर योग मुद्राओं को नृत्य स्वरूप में ढाल कर आकर्षक प्रस्तुतियां दी, जिससे दर्शकों की भरपूर तालियां मिली। इसके बाद मेवाड प्रान्त में भील सुमदाय द्वारा भगवान शिव व देवी की उपासना के दौरान किए जाने वाले गवरी नृत्य की प्रस्तुति हुई, इस प्रस्तुति आस्था औऱ विश्वास के साथ साथ प्रकृति और इंसान के बीच के संबंध को बखूबी दर्शाया गया। भील समुदाय द्वारा की जाने वाली पारम्परिक रूप सज्जा ने इस नृत्य को जीवन्तता प्रदान की।

इसके बाद यूनेस्को द्वारा अमूर्त नृत्य घोषित किया गया कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को थिरकाया। इसके बाद लोक देवता बाबा रामदेव (रामापीर) की उपासन में किया जाने वाला तेरहताली नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसके तहत महिला कलाकारों ने अपने परम्परा गत ताल वाद्यों अद्भुत समन्वय दिखाया। भवाई नृत्य में कलाकारों ने सिर पर एक के ऊपर एक रखी गई मटकों को संतुलन में रखते हुए नृत्य कर दर्शकों को चकित कर दिया। अंत में प्रस्तुत मयूर नृत्य में मोर की चाल और मुद्राओं को नृत्य के माध्यम से दर्शाया गया, जिसने दर्शकों को अभिभूत कर दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही। देशी और विदेशी पर्यटकों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिल को छू लिया और उन्हें राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने दी वार्ड 48 को 36 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

जयपुर। उद्योग और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने ग्रेटर निगम के वार्ड 48 के निवासियों को 35 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों की सौगात दी है। करीब 34 करोड़ की लागत से सिरसी रोड पर सीवरेज और डामर सड़क बनेगी, जबकि 1.25 करोड़ रुपए इंटरलॉकिंग टाइल्स और सीसी रोड पर खर्च होंगे। इसके अलावा ओपन जिम, हाई मास्क लाइट और 5 वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगाए गए है।

- **34 करोड़ की लागत से सीवरेज और डामर रोड बनेगी, 1.25 करोड़ रुपए इंटरलॉकिंग टाइल्स और सीसी रोड पर खर्च होंगे**

पार्षद कुमकुम शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि मुख्य अतिथि मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड और ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इन विकास कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। उन्होंने बताया कि वार्ड 48 में सीवरेज कार्य और डामर सड़क के लिए भूमि पूजन किया गया। इसके अलावा ग्रेटर निगम से 75 लाख की लागत से सीसी रोड और इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य बृजराज एंक्लेव के अंदर किया जाएगा। करीब 50 लाख रुपए की लागत से तीजा नगर और रघुनाथ विहार गली नंबर 5 में सीमेंटेड सड़क बनाई जाएगी। मंत्री कर्नल राठौड़ और महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने पार्षद कुमकुम शक्ति सिंह मानपुरा के साथ संस्कार विहार और महादेव नगर दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर में ओपन जिम का भी उद्घाटन किया। नगर निगम ने वार्ड 48 में सिरसी रोड अंडरपास और पूनम मार्केट में दो हाई मास्क लाइट भी लगवाई है। आमजन की समस्याएं और जरूरत को देखते हुए 4 आर.एम.लाइट मोक्ष धाम में लगाई गई है। पार्षद कुमकुम शक्तावत में बताया कि वार्ड 48 में 5 वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी तैयार होंगे, जिनका शिलान्यास भी मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया है। इंजीनियर कॉलोनी में भी ओपन हाईटेक जिम लगेगा। इन 35 करोड रुपए के विकास कार्यों से सिरसी रोड और वार्ड 48 के रहवासियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और पार्षद कुमकुम शक्ति सिंह मानपुरा का भी आभार जताया है। कार्यक्रम में चेयरमैन प्रवीण यादव, गजेन्द्र सिंह चिराना, विकास बारेठ, इन्द्र प्रकाश धाभाई , महादेव शर्मा, मंडल अध्यक्ष बनवारी यादव सहित क्षेत्र के सम्मानित प्रबुद्धजन एवं नागरिकगण भी उपस्थित रहे।

करीब 34 करोड़ की लागत से सिरसी रोड पर सीवरेज और डामर सड़क बनेगी। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड और ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने भूमि पूजन और शिलान्यास किया।

राजस्थान सिविल सर्विस डे 21 को

जयपुर। सिविल सर्विस डे-2025, 21 अप्रैल के अवसर पर 20 अप्रैल को जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी एवं सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा जिसमे सिविल सर्विस के अधिकारी एवं कर्मचारी सिविल सर्विस कप में भाग लेंगे। इस अवसर पर जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में क्रिकेट, रस्साकसी और शतरंज तथा एसएमएस स्टेडियम में बैडमिंटन, टेबल टेनिस और लॉन टेनिस खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

कैब चालक से लूट और फिर हत्या करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग का भंडाफोड़

जयपुर। राजधानी जयपुर के शिवदासपुरा थाना इलाके में 12 अप्रैल को हुए कैब चालक मुनेश हत्याकांड की वारदात का खुलासा करते हुए अन्तर्राज्यीय गैंग के पांच आरोपियों को पकड़ा है। जिसमें तीन बाल अपचारी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने लूट के इरादे से कैब चालक की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई टैक्सी सहित वारदात में प्रयुक्त एक पिस्टल,पांच कारतूस सति दो मैग्जीन बरामद की है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने जयपुर शहर सहित अन्य राज्यों में सात-आठ वारदातों को करना कबूला है। गैंग में शामिल तीन अन्य नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि शिवदासपुरा थाना इलाके में 12 अप्रैल को हुए कैब चालक मुनेश हत्याकांड और लूट की वारदात करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के अंगद शर्मा उर्फ शिवा उर्फ शिवाय (24) तिगांव, जिला फरीदाबाद (हरियाणा), राहुल बैरवा (19) निवासी चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर हाल सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया है। वहीं गैंग में शामिल तीन अन्य नाबालिगों को निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई टैक्सी सहित वारदात में प्रयुक्त एक पिस्टल,पांच कारतूस सति दो मैगजीन बरामद की है। थानाधिकारी बृजमोहन कविया ने बताया कि 12 अप्रैल को प्रताप नगर थाना इलाके में अक्षय पत्र चौराहे के पास 6-7 युवक टैक्सी चालक को ऑफ लाइन इंडिया गेट लेकर गए। इस दौरान कार में सवार बदमाशों ने चालक को कैब में ही बंधक बना कर कैब लूटने और आरोपी को मारपीट कर छोड़ने के फिराक में थे। इस दौरान बदमाशों ने जब पीड़ित उनके कब्जे में नहीं आया तो आरोपियों ने उसके पेट में दो फायर कर दिये। जिस से कार चालक मुनेश की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने लाश को ठिकाने लगाने के लिए शव को द्रव्यवती नदी उसे फेंक दिया। 14 अप्रैल को पुलिस ने द्रव्यवती नदी से शव निकाला। इसी दिन मृतक के परिजनों ने प्रताप नगर थाने में मुनेश की गुमशुदगी दर्ज कराई। पीड़ित परिवार को शव दिखाया गया, जिसके बाद हुलिया और कपडे मैच होने पर शव की शिनाख्त हुई। मेडिकल जांच में मृतक के शरीर में दो गोलियां मिली जिस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू किया। चालक की हत्या करने के बाद उस गाड़ी को लेकर बदमाश दिल्ली चले गए। दिल्ली में एक पेट्रोल पंप पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। जिस के बाद इन बदमाशों का दिल्ली में ही ऑनलाइन चालान कटा। उसकी जानकारी मृतक के भाई के नम्बर पर मैसेज के माध्यम से आई। जिसके बाद पुलिस टीम ने बदमाशों का पीछा करना शुरू किया। पुलिस ने टीम ने वारदात करने वाले पांच लोगों को डिटेन किया। जिसमें दो को गिरफ्तार किया और तीन अन्य को बाल सुधार गृह में भेज दिया। पुलिस को बदमाशों के पास से एक पिस्टल पांच जिंदा कारतूस और दो मैगजीन बरामद हुई है। आरोपियों जयपुर शहर और अन्य राज्यों में कई वारदातों को इस तरह से अंजाम दे चुके हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

जयपुर के शिवदासपुरा थाना इलाके में 12 अप्रैल को हुए कैब चालक मुनेश हत्याकांड की वारदात का खुलासा करते हुए अन्तर्राज्यीय गैंग के पांच आरोपियों को पकड़ा है।

बंद पड़ी खान में कपड़े की गांठ में बंधा हुआ महिला का शव मिला

शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो चुका था चेहरा पूर्ण रूप से बिगड़ा हुआ था

- खान में तैर रही कपड़े की गांठ को बाहर निकालकर खोला तो गांठ में महिला का शव मिला
- शव से उठती दुर्गन्ध व कीड़े-मकोड़े के आधार पर महिला का शव लगभग बीस दिन से एक महिना पुराना होने का अंदेशा जताया जा रहा है

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के लाम्बाहरिसिंह थानान्तर्गत नयागांव जाटान से कांटोली मार्ग पर बंद पड़ी ग्रेनाईट की खान में शुक्रवार की रात एक कपड़े की गांठ मे लिपटा एक महिला का सड़ा गला शव तैरता मिला। शव को पुलिस सुरक्षा मे ले डीवाईएसपी आशीष प्रजापत की उपस्थिति में एफएसएल व मोबाइल इन्वेस्टिगेशन टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाये।

थाना पुलिस से मिली जानकारी में बताया कि शुक्रवार की देर शाम को जरिये दूरभाष के सूचना मिली कि नयागांव जाटान के पास आबादी से लगभग दो किलोमिटर दूर बंद पड़ी ग्रेनाईट की खान में एक कपड़े की गांठ पानी में तैर रही है तथा दूर-दूर तक सडांध फैली हुई है। सूचना मिलने पर लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस व पुलिस वृत्ताधिकारी आशीष प्रजापत पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। मौजूद ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत कर खान में तैर रही कपड़े की गांठ को बाहर निकालकर खोला तो गांठ में महिला का शव मिला। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। चेहरा पूर्णरूप से बिगड़ गया। जलीय जन्तुओं ने शव को क्षत-विक्षत कर दिया। जिससे शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। शव से उठती दुर्गन्ध व कीड़े-मकोड़े के आधार पर महिला का शव लगभग बीस दिन से एक महिना पुराना होने का अंदेशा जताया जा रहा है। खान से बाहर निकालते ही शव से उठती दुर्गन्ध और तेज फैल गई तो लोगों का सांस लेना तक भी दुभर हो गया।

पुलिस वृत्ताधिकारी व जवानों ने मानवीयता का फर्ज निभाते हुये शव को सुरक्षा में ले मालपुरा जिला अस्पताल की मोर्चरी में बर्फ की सिल्लियों के सहारे सुरक्षित रखवाया। मौके पर पहुंचे एफएसएल व एमओयू टीम ने सौ मीटर की परिधि से साक्ष्य जुटाये। शनिवार को भी अधिकारियों ने खान के आसपास सर्च अभियान चलाया। प्रशासन ने शव के हुलिये सहित शरीर पर मिले कपड़े व अन्य जानकारियों को मीडिया के माध्यम से पब्लिस कर शव की पहचान का प्रयास जारी रखा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग से लाखों का नुकसान

बालापुरा गांव में लगी आग को ग्रामीणों की मदद से बुझाया।

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह उपखण्ड क्षेत्र के बालापुरा गांव में शनिवार की दोपहर को शॉर्ट सर्किट से लगी आग से आधा दर्जन बाड़ों में रखा चारा, ईंधन व अन्य सामान जलकर राख हो गया।

- तीन दमकलों से आग पर पाया काबू

जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर बालापुरा गांव में लगे टावर के तार ग्रामीणों के बाड़ों के उपर से होकर गुजर रहे थे। तेज हवा से हुये शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी बाड़े में रखे चारे के ढेर पर गिर जाने से धनराज धाकड़ सहित आधा दर्जन बाड़ों में फैल गई। तेज हवा चलने से आग देखते ही देखते विकराल हो गई। जिसमे एक के बाद एक बाड़ों को चपेट में ले लिया। भीषण आग की मिली सूचना पर जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के आदेशों पर टोंक, मालपुरा व टोडारायसिंह मुख्यालय से पहुंची तीनों दमकलों व ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने भी दमकलों के साथ स्वंय के पानी के टैंकर लगा आग बुझाने का पूरा प्रयास किया। भीषण आग से लाखों रूपयों का नुकसान होने व मवेशियों के सामने चारा का संकट आ जाने से पीड़ितों की आंखें नम हो गई। ग्रामीणों ने मंत्री व क्षैत्रिय विधायक चौधरी से पीड़ितों को आर्थिक सहायता व नुकसान का मुआवजा दिलवाने की मांग की। मौके पर पहुंचे राजस्व विभाग के अधिकारियो ने आग से हुये नुकसान का आकलन शुरू किया।

वृद्ध की हत्या के मामले में आरोपियों को कोर्ट ने दोष मुक्त किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र के गठीला गांव के निकट खेत पर करीब नौ वर्ष पूर्व दीवार निर्माण का कार्य कर रहे वृद्ध चम्पालाल (60) पुत्र गगांराम कुमावत निवासी गठीला की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपर्द करके हत्या का मामला दर्ज कर एक महिला सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया था। शनिवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश गंगापुर अनिता टेलर ने आरोपी दशरथ पुत्र गणपत विशनोई, ओमप्रकाश विशनोई, टिकमचंद विशनोई, गोविंद विशनोई को संदेह का लाभ देकर दोष मुक्त कर दिया। हत्या के मुख्य आरोपित दशरथ विशनोई की न्यायलय में पेरवी अधिवक्ता सुनिल कुमार जैन के द्वारा की गई।

जानकारी के अनुसार 19 मई 2016 को गठीला गांव के निकट खेत पर दीवार निर्माण का कार्य कर रहे वृद्ध की चाकू से गला रेत करके व शरीर पर 10 जगह चाकुओं से वार करके हत्या कर दी और मामले को लूट का रूप देने के लिए रक्तरंजीत शव को मुख्य राजमार्ग के निकट डालकर आरोपी भाग छूटे। सात बजे हुई घटना की खबर आग की तरह क्षेत्र में फैल गई और गांव में सन्नाटा छा गया, वृद्ध की हत्या से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। चम्पालाल (60) पुत्र गगांराम कुमावत निवासी गठीला अपने खेत पर दीवार का निर्माण कार्य कर रहा था। निर्माण कार्य में उसका लड़का नारायण व श्रमिक भी कार्य कर रहे थे। सांय छह बजे लड़का खाना बनाने के लिए घर रवाना हो गया और श्रमिक भी छुट्टी करके चले गए। पिछे से चम्पालाल कुमावत अकेला रहा गया जिसे अज्ञात हत्यारों ने चाकुओं से गला रेत दिया, पेट व पीठ पर चाकूओं के ताबड़तोड वार किए जिससे वृद्ध चम्पालाल की मौके पर ही मौत हो गई। हत्यारों ने हत्या वा लूट का रूप देने के लिए खेत से शव को उठा करके मुख्य राजमार्ग के निकट डाल दिया ताकि मामला लूट व हत्या का लगे। मौके पर एफएसएल की टीम व फिंगर प्रिंट के विशेषज्ञों को बुलाकर सबूत एकत्रित किए गए। पुलिस ने हत्या के आरोप में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया था।

अवैध शराब बरामद

श्रीगंगानगर, (निसं)। आबकारी पुलिस ने एक गाड़ी में भरी हुई 14 पेटी बीयर व करीब साढ़े तीन पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की। आबकारी निरीक्षक (ग्रामीण) फतेह सिंह ने बताया कि पुरानी आबादी क्षेत्र से शराब जब्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में बार संचालक संदीप अरोड़ा के खिलाफ आबकारी थाना में केस दर्ज किया गया है। संदीप अरोड़ा पुरानी आबादी क्षेत्र में एक होटल और बार का संचालक है। ऐसी सूचना है कि उनके नाम एक शराब ठेका भी चल रहा है लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि शराब के ठेकेदारों ने अवैध तरीके से शराब ले जाए जाने की सूचना दी थी।

सीवर लाइन खोदते समय गैस की पाइप लाइन लीक, आग लगी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में कोतवाली थाना क्षेत्र के मुखर्जी नगर में बड़ा हादसा होने से बच गया। मुखर्जी नगर में सीवर लाइन डालने के लिए खुदाई की जा रही है। सीवर लाइन के लिए खुदाई करते समय घरेलू गैस की पाइप लाइन लीक हो गई और उसमें आग लग गई। आग लगने की सूचना गेल गैस लिमिटेड को दी गई जिस पर गेल गैस के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

- आग लगने की सूचना पर गेल गैस लिमिटेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, आग पर काबू पाया

गेल के वरिष्ठ अभियंता अभय अग्रवाल ने बताया कि मुखर्जी नगर में सीवर लाइन का काम चल रहा था। सीवर लाइन के लिए खुदाई की जा रही थी। यहां से घरेलू गैस की 125 की लाइन थी जो घरों में जा रही है। प्राकृतिक ज्वलनशील गैस है। हमने अपने आदमी को यहां पहले से ही लगा रखा था। इससे पहले भी कई बार सीवर लाइन डालते समय हमारी लाइन को नुकसान पहुंचाया था।

आज भी सीवर लाइन को खोदते समय लाइन लीक हो गई और उसमें आग लग गई। तुरंत हमारे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और वॉल को बंद किया और आग पर काबू पाया गया। जो भी लीक हुआ था उसको बंद किया गया। आग लगने के बाद गेल की फायर फाइटिंग टीम ने आग को तुरंत बुझा दिया। हमने 15 मिनट में ही स्थिति पर नियंत्रण कर लिया था।

20 लाख का क्लेम खारिज, परिवादी पर ही हर्जाना लगाया

जांच में ट्रक की चोरी साबित नहीं हुई थी, स्थाई लोक अदालत ने हर्जाना-जुर्माना दोनों लगाया

भरतपुर, (निसं)। अमूमन अनावश्यक रूप से क्लेम खारिज करने पर बीमा कंपनियों पर हर्जाना लगाया जाता है। इस बार गलत क्लेम करने पर स्थाई लोक अदालत ने उपभोक्ता पर हर्जाना लगाया है। साथ ही तय अवधि में हर्जाना नहीं चुकाने पर प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना भी लिए जाने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने ट्रक चोरी होना बताते हुए अदालत से क्लेम दिलाए जाने की प्रार्थना की थी। सुनवाई में सामने आया कि जांच में चोरी होना नहीं पाया गया। स्टेशन रोड स्थित बजरिया हाल कोटा निवासी अवधेश शर्मा ने ट्रक चोरी होना बताते हुए 20 लाख रुपए का क्लेम किया था। यूनाईटेड इंडिया बीमा कंपनी को घटना के 26 दिन बाद सूचना देने और एफआईआर कराने पर संदेह हुआ। कंपनी ने जांच कराई जिसमें सामने आया कि ट्रक चोरी नहीं हुआ था। इस पर कंपनी ने क्लेम खारिज कर दिया। ऐसे में बीमाधारक ने स्थाई लोक अदालत में अर्जी लगाई। तलब किए जाने पर कंपनी ने अपने अधिवक्ता प्रमोद कुमार शर्मा के माध्यम से अपना पक्ष रखा। अध्यक्ष गंभीर सिंह और सदस्य योगेश कुमार शर्मा ने मामले पर निर्णय किया। उन्होंने अर्जी को खारिज कर दिया। साथ ही प्रार्थी पर पांच हजार रुपए का हर्जाना लगाया। यह रकम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करानी होगी। दो महीने में हर्जाना नहीं जमा कराने पर 100 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना वसूलने का भी आदेश दिया है।

शराब पीने से टोका तो मां-बेटे को पीटा, महिला की मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां अशोक नगर में महिला की हत्या के मामले में पुलिस जल्द खुलासा कर सकती है, जिस घर में मारपीट हुई उसके पास ही कुछ लोग शराब पी रहे थे। उन्हें टोकने के बाद महिला और उसके बेटे के साथ मारपीट की गई। घायल महिला ने पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। अब पुलिस शराबी युवकों की तलाश कर रही है।

- शराबी युवकों की तलाश कर रही है पुलिस

सीओ सदर प्रशिक्षु आईपीएस विशाल जांगिड़ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि कुछ लोग घर के आगे शराब पी रहे थे। उन लोगों को लक्ष्मी और उनके बेटे ने वहां शराब पीने से टोका था। जिसके बाद ये लोग घर में घुस गए और मारपीट की। नशे में इतनी पिटाई कर दी कि महिला गंभीर घायल हो गई और मौत हो गई। पुलिस ने जिन लोगों को चिह्नित किया है, उनको हिरासत में लेने के लिए दबिश दी जा रही है।

अब तक पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। हिरासत में भी नहीं लिया है। माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में कुछ युवकों की धरपकड़ हो सकती है। मृतका के बेटे की निशानदेही पर जल्द ही पुलिस गिरफ्तारी कर सकती है। पुलिस जयनारायण व्यास कॉलोनी पुलिस आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

आग लगने से चारा व सामान जला

सरवाड़, (निसं)। विद्युत विभाग के पीछे की और बाड़े में भीषण आग लग जाने से बाड़े में रखा चारा व सामान जल कर नष्ट हो गया वहीं आग लगने से हवा ने आग को और फैला दिया। वहीं आग पर काबू पाने के लिए आसपास के लोगों ने पानी की बाल्टी व मोटर से आग पर काबू पाया, मगर सफल नहीं हो सके।

जब इसकी सूचना आसपास के लोगों को मिली तो काफी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई वहीं मौके पर ही दमकल कर्मियों ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। वहीं तेज हवाओं के चलते आग पर काबू नहीं पाया जा सका। बड़ी मुश्किल से दमकल गाड़ी ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने से शहर की विद्युत सप्लाई बंद कर दी। वहीं विद्युत आपूर्ति चालू करने के लिए कर्मचारी ठीक करने में लगे हुए थे। वहीं शहर की विद्युत सप्लाई बंद होने से शहर साहित उपखंड क्षेत्र में भीषण गर्मी में लोगों का हाल बुरा रहा।

अवैध हथियार सहित एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में घमुड़वाली थाना पुलिस ने अवैध देसी पिस्तौल सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घमुड़वाली थाना अधिकारी पृथ्वीराज बिश्नोई ने बताया कि गश्त के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया है। नहर के पास एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। जिस पर घेराबंदी कर व्यक्ति को रोककर पूछताछ की तो युवक ने अपना नाम रतिराम पुत्र मामराज निवासी 54 एलएनपी बताया, जिस पर युवक की तलाशी ली तो युवक के कब्जे से 12 बोर का अवैध देसी पिस्तौल बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रात के अंधेरे में चोरी हुआ ट्रक, तीन महीने बाद मामला दर्ज

18 जनवरी को चोरी हुए ट्रक के संबंध में पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया था

- 20 जनवरी को चूनावढ़ थाना में शिकायत दी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। बाइक चोरी की घटनाएं तो अक्सर सामने आती हैं, लेकिन चूनावढ़ थाना क्षेत्र में एक ढाबा का पास पास खड़ा ट्रक ही कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया। खास बात यह है कि 18 जनवरी को चोरी हुए ट्रक के संबंध में पुलिस ने भी केस दर्ज नहीं किया। अब इस्तगासे के माध्यम से केस दर्ज हुआ।

पंजाब के फाजिल्का जिले के मम्मूखेड़ा निवासी सर्दुल सिंह ने इस्तगासे के माध्यम से दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 18 जनवरी की शाम को वह अपने ट्रक में सामान लोड करने के लिए सूरतगढ़ जा रहा था। शाम करीब सात बजे नेतेवाला में पंजाब ढाबा के नजदीक लॉक लगाकर ट्रक खड़ा कर दिया और अपने रिश्तेदार के पास 1 सी छोटी गांव चला गया। रात को धुंध के कारण वापस नहीं लौट पाया। सुबह आकर देखा तो ट्रक गायब था। सर्दुल सिंह के मुताबिक आस पड़ोस में पता करने पर ट्रक के बारे में जानकारी नहीं मिली। इससे अंदाजा हुआ कि रात के समय कोई अज्ञात व्यक्ति ट्रक चोरी करके ले गया। सर्दुल सिंह ने बताया कि 20 जनवरी को चूनावढ़ थाना में शिकायत दी लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अब इस्तगासा के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। चूनावढ़ थाना में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच हैड कांस्टेबल मनोहरलाल को सौंपी गई है।

ठगों द्वारा ठगी गई राशि पीड़ितों के खाते में रिफंड करवाई

कोटा, (निसं)। बोरखेडा पुलिस सायबर हेल्प डेस्क की टीम ने तीन अलग-अलग सायबर ठगी के मामलों में कार्रवाई करते हुए सायबर ठगो द्वारा ठगी गई राशि में से 59 हजार 669 रूपयों की राशि को पीड़ितों के खातों में रिफंड करवाने की कार्रवाई की गई।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते सायबर क्राईम की घटनाओं को देखते हुए इनकी रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें सायबर फ्रोड की घटनाओं की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ एवं सायबर ठगों द्वारा ठगी गई राशि को पीड़ितों के खातों मे रिफंड करवाने के लिये प्रत्येक थाना स्तर पर सायबर हेल्प डेस्क की टीम को निर्देशित किया गया है। शहर एसपी ने बताया कि सायबर ठगों द्वारा ठगी के तीन अलग-अलग घटनाक्रम सामने आये। जिस पर मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपअधीक्षक लोकेन्द्र पालीवाल के सुपरविजन में बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज के नेतृत्व में सायबर हेल्प डेस्क की टीम को ठगी गई राशि को होल्ड करवाने व पीड़ितों के खातों में रिफंड करवाने के लिये निर्देश दिये गये।

शहर एसपी ने बताया कि बोरखेड़ा सायबर हेल्प डेस्क के कांस्टेबल प्रदीप सिंह व कांस्टेबल मुरारीलाल द्वारा सायबर पोर्टल के माध्यम से पीड़ितों के खातों से ठगी गई राशि को होल्ड करने हेतु संबंधित बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर राशि को होल्ड करवाया एवं विधिवत कानूनी प्रकिया के बाद अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर तीनो परिवादियों के खातों से ठगी गई राशि में से कुल 59 हजार 669 रूपयों को पीड़ितों के खातों में रिफंड करवाया।

शहर एसपी ने बताया कि सायबर ठगों द्वारा अलग-अलग तरीकों से पीड़ितों से सायबर ठगी के तीन मामले सामने आये। शहर एसपी ने बताया कि अशोक विहार बोरखेड़ा निवासी लेखराज मीणा के साथ किसी ने परिचित बनकर व फर्जी राशि क्रेडिट के मैसेज भेजकर भरोसे में लेकर 12000 की ठगी की। जिसकी परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई। शहर एसपी ने बताया कि दूसरा मामला बजरंग नगर इलाके का है जहां परिवादीया वंदना वनवानी के साथ अज्ञात शातिर सायबर ठग ने फोन करके कहा कि आपके पिता का मिलने वाला हूं व आपके खाते में 12 हजार रूपये की रकम जमा कराने के लिये कहा था जिस पर उसने फर्जी 30 हजार का क्रेडिट मेसेज भेजकर कहा कि आपके खाते में गलती से 30 हजार रूपये डाल दिये हैं। आप 18 हजार रूपये वापस कर दो जिस पर परिवादीया सायबर ठग की बातों में आ गई और उसने 18 हजार रूपये वापस किये, जिसकी शिकायत परिवादीया ने सायबर पर दर्ज कराई। शहर एसपी ने बताया कि तीसरा मामला प्रताप नगर बोरखेड़ा का है। परिवादीया सुमन मीणा ने शिकायत में कहा कि मोबाइल पर फैसबुक व इंस्टाग्राम पर दोस्त बनकर व उनकी बेटी को बातों में उलझाकर अलग-अलग बार में 31700 की ठगी को अंजाम दिया था। जिसकी शिकायत परिवादीया ने दर्ज कराई थी।

जेईई मेन में 100 पर्सेंटाइल स्कोर करने वाले सर्वाधिक सात अभ्यर्थी राजस्थान ने दिए

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन 2025 का परिणाम शुक्रवार देर रात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जारी कर दिया। इस परीक्षा का आयोजन जनवरी और अप्रैल दो सेशन में हुआ था। इस बार 15,39,848 यूनिक कैंडिडेट्स ने आवेदन किया था, जिनमें से 14,75,103 ने परीक्षा दी। साथ ही जेईई एडवांस 2025 के लिए कट-ऑफ भी जारी की गई है, जिसमें 2,50,236 अभ्यर्थी क्वालीफाई हुए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अप्रैल सेशन की फाइनल आंसर-की भी आधिकारिक वेबसाईट पर अपलोड कर दी है। कैंडिडेट्स अपने परिणाम और दोनों सेशंस के संयुक्त परसेंटाइल स्कोर वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। 100 पर्सेंटाइल स्कोर करने वाले 24 कैंडिडेट्स में राजस्थान से सर्वाधिक 7 अभ्यर्थी शामिल हैं।

एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा के अनुसार, राजस्थान में टॉपर्स की संख्या बढ़ने में कोटा कोचिंग हब का बड़ा योगदान है। राजस्थान के बाद महाराष्ट्र, उत्तर-प्रदेश और तेलंगाना से तीन-तीन टॉपर हैं। दिल्ली, गुजरात और पश्चिम बंगाल से दो-दो तथा कर्नाटक व आंध्रप्रदेश से एक-एक टॉपर सामने आए हैं। राजस्थान से ओमप्रकाश बेहरा, सक्षम जिंदल, अर्णव सिंह, रजित गुप्ता, मोहम्मद अनस, लक्ष्य शर्मा, आयूष सिंघल है।

आंध प्रदेश से साई मनोग्ना गुथिकोंडा दिल्ली से दक्ष हर्ष झा, गुजरात से शिवेन विकास तोषनीवाल, अदित प्रकाश बागडे, कर्नाटक से कुशाग्र गुप्ता, महाराष्ट्र से आयुष रवि चौधरी, सानिध्य सराफ, विषाद जैन, तेलंगाना से वंगला अजय रेड्डी, बानी ब्रता माझी, हर्ष ए. गुप्ता, उत्तर प्रदेश से श्रेया लोहिया, कुशाग्र बैंगाहा, सौरभ, पश्चिम बंगाल से देवदत्ता मांझी, अर्चिसमान नंदी नए 100 परसेंटाइल स्कोर अर्जित किया है। एनटीए ने स्टेट टॉपर्स की सूची भी जारी की है।

निजी कोचिंग संस्थान के करियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि कुल 53 कैंडिडेट्स को स्टेट टॉपर घोषित किया गया है जिनमें 24 कैंडिडेट्स को 100 पर्सेंटाइल स्कोर करने के चलते स्टेट टॉपर भी माना गया है। ये 24 टॉपर्स 9 राज्यों से हैं। वहीं 28 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश ऐसे भी रहे जहां से कोई स्टेट टॉपर सामने नहीं आया जैसे अंडमान निकोबार, बिहार, केरल, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु आदि भारत से बाहर परीक्षा देने वाले कैंडिडेट्स में भी कोई स्टेट टॉपर नहीं बन पाया। 100 पर्सेंटाइल लाने वालों में दो छात्राएं भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल की देवदत्ता माझी और आंध्रप्रदेश की साई मनोग्ना गुथिकोंडा कैटेगरी वाईज देखा जाए तो जनरल कैटेगरी से 21, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और एससी कैटेगरी से 1-1 टॉपर हैं जबकि फीमेल कैटेगरी से 2 छात्राएं 100 पर्सेंटाइल स्कोर करने में सफल रही हैं।

यातना देने वाले फैक्टरी संचालक सहित चार आरोपी गिरफ्तार

आसीन्द, (निसं)। नगर के खपराभट्टा इलाके में अवैध रूप से संचालित की जा रही आइसक्रीम फैक्टरी के संचालक ने एडवांस रकम मांगे जाने की बात को लेकर दो मजदूरों से क्रूरता की। किसी तरह भागकर वे भीलवाड़ा पहुंचे और पुलिस से संपर्क किया तो सुनवाई नहीं हुई, उल्टे वहां भी ठेकेदार के लोगों ने मारपीट की। किसी की सलाह पर भीलवाड़ा एसपी से मुलाकात होने और मारपीट का वीडियो देखने के बाद फौरन संज्ञान लिया गया। जीरो एफआईआर करने के बाद डायरी ऑनलाइन कोरबा भेजी गई। सिविल लाइन पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि खपराभट्टा क्षेत्र में अमानवीय घटना के शिकार हुए अभिषेक भांबी और विनोद भांबी अनुसूचित जाति से वास्ता रखते हैं। ये दोनों राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के निवासी हैं। कुछ समय पहले एक व्यक्ति ने उन्हें आइसक्रीम फैक्टरी में काम कराने के लिए कोरबा लाया गया था। काम करने के बाद वेतन देने की बारी आई तो आनाकानी शुरू हो गई। युवकों ने अग्रिम राशि की मांग की तो बदले में उन्हें यातना दी गई। प्लायर से नाखून निकालने की कोशिश की गई और करंट भी लगाया गया। किसी तरह आक्रांताओं से छूटकर युवक कोरबा से भागे और राजस्थान पहुंचे। उन्होंने वहां की पुलिस को इस बारे में कहानी बताई। दावा किया जा रहा है कि दूसरे क्षेत्रों की तरह राजस्थान पुलिस ने भी सेटिंग के लिए दबाव डाला। अच्छी बात यह रही कि किसी जानकार व्यक्ति के संपर्क में पीड़ित आए तो एसपी भीलवाड़ा तक मामला भिजवाया गया।

- खपराभट्टा में मजदूरों की पिटाई का मामला

उन्होंने मारपीट के वीडियो को अपने ट्वीटर एकाउंट पर पोस्ट कर इसकी जानकारी साझा की। इसके साथ ही पुलिस को शून्य पर मामला दर्ज करते हुए इसकी कापी ऑनलाइन माध्यम से कोरबा पुलिस को भिजवाई। आखिरकार यहां सिविल लाइन पुलिस ने मारपीट करने वाले फैक्टरी संचालक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। कोरबा सीएसपी भूषण ने बताया कि सिविल लाइन थाना में एक्ट्रोसिटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। पीड़ित युवकों का मुलाहिजा (चिकित्सकीय परीक्षण) कराया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भीलवाड़ा पुलिस कोरबा आ रही है। वहीं सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रमोद डनसेना ने बताया कि चार संदेही को हमने गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार इस घटना का वीडियो हाल में ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हुआ जिसमें खपराभट्टा इलाके में युवकों से बुरी तरह से मारपीट करने और यातना देने की तस्वीरें आम हुई। पीड़ित युवक जान की गुहार लगा रहे हैं और आरोपी उन्हें धमकी दे रहे हैं, बार-बार युवक हाथ जोड़ रहे थे छोड़ दो। छोड़ दो की गुहार लगा रहे थे लेकिन उनके साथ किसी तरह की मानवता नहीं दिखाई गई। अब जब पुलिस ने मामला दर्ज किया है और भीलवाड़ा एसपी की सख्ती के बाद वहां की पुलिस अगली कार्यवाही के लिए कोरबा आ रही है।

दो सफाईकर्मियों की मौत

अलवर, (निसं)। जिले के खेरली क्षेत्र स्थित नवकार वाटिका सोसायटी में शनिवार को एक हृदयविदारक हादसा हो गया। सीवरेज की सफाई के दौरान दो सफाईकर्मियों की मौत हो गई।

मृतकों की पहचान लच्छी पुत्र मंगतु और आकाश उर्फ हेमराज निवासी खेडली के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजन और वाल्मीकि समाज के लोग भारी संख्या में हॉस्पिटल में एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। वे मृतकों के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा और एक-एक सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए खेड़ली कठूमर थाने की पुलिस मौके पर मौजूद है, साथ ही खेड़ली भनोखर के नायब तहसीलदार भी स्थिति का जायज़ा लेने पहुंचे हैं। सोसायटी में सीवरेज सफाई की व्यवस्था और सुरक्षा उपायों को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं।

मेंटोर वो होता है जो सीजन के बीच में दो हफ्ते मालदीव चला जाता है। राहुल की इस बात पर वहां मौजूद सभी लोग यहां तक कि पीटरसन भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। - **केएल राहुल**

भारतीय क्रिकेटर, पीटरसन के व्यक्तिगत यात्रा पर मालदीव चले जाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जोस बटलर

जोस बटलर के 97 रन की मदद से गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने सीजन में 5वीं जीत दर्ज की, वहीं दिल्ली को दूसरी ही हार मिली। प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट लिए। बटलर ने शेरफन रदरफोर्ड के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप भी की। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार को गुजरात ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने 8 विकेट खोकर 203 रन बनाए। गुजरात ने 3 ही विकेट के नुकसान पर 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। 97 रन बनाने वाले बटलर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

क्या आप जानते हैं ?... एक भारतीय फुटबॉलर मुहम्मद शालेल ने 30 सेकेंड में 10 नटमेग बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

लखनऊ ने राजस्थान को 2 रन से हराया

आवेश खान ने आखिरी ओवर में 9 रन डिफेंड किए, मार्करम-बडोनी की फिफ्टी

जयपुर, 19 अप्रैल। लखनऊ सुपरजायंट्स ने राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के रोमांचक मुकाबले में 2 रन से हरा दिया। आवेश खान ने 20वें ओवर में 9 रन डिफेंड किए ओर लखनऊ को जीत दिलाई। आवेश ने 3 विकेट लिए। ऐडन मार्करम और आयुष बडोनी दोनों ने फिफ्टी लगाई। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में लखनऊ ने बैटिंग चुनी। लखनऊ ने 5 विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 5 विकेट के नुकसान पर 178 रन ही बना सकी। यशस्वी जायसवाल ने 74 रन बनाए। वनिंदू हसरंगा को 2 विकेट मिले।

राजस्थान रॉयल्स को आखिरी ओवर में 9 रन बनाने थे। टीम से ध्रुव जुरेल और शिमरोन हेटमायर पिच पर थे। आवेश पहली गेंद पर 1 और दूसरी गेंद पर 2 रन दिए। उन्होंने तीसरी गेंद पर हेटमायर को कैच करा दिया। चौथी गेंद डॉट रही। आवेश ने फिर पांचवीं गेंद पर 2 रन दिए। आखिरी गेंद पर 4 रन चाहिए थे, आवेश ने 1 ही रन दिया और अपनी टीम को 2 रन से मैच जिता दिया।

20वें ओवर में शिमरोन हेटमायर आउट हो गए। आवेश खान ने उन्हें कैच कराया। हेटमायर ने 12 रन बनाए। 18वें ओवर में राजस्थान ने 2 विकेट गंवाए। ओवर की पहली गेंद आवेश खान ने यॉर्कर फेंकी, यशस्वी जायसवाल बोल्ड हो गए। उन्होंने 74 रन बनाए। ओवर की आखिरी गेंद आवेश ने फिर यॉर्कर फेंकी, गेंद रियान पराग के पैड्स पर लगी। लखनऊ ने अपील की और अंपायर ने का फैसला दे दिया।

राजस्थान ने 10वें ओवर में दूसरा विकेट भी गंवा दिया। ओवर की आखिरी बॉल शार्दूल ठाकुर ने बाउंसर फेंकी, नीतीश राणा लॉन्ग लेग पर कैच हो गए। राणा ने 7 गेंद पर 8 रन बनाए। सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी 34 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें 9वें ओवर में ऐडन मार्करम ने स्टंपिंग कराया। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 85 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। यशस्वी जायसवाल ने 9वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने ऐडन मार्करम के खिलाफ सिंगल लिया और 31 गेंद पर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी कर ली।

181 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने पावरप्ले में तेज शुरुआत की। टीम ने 6 ओवर के बाद बगैर विकेट गंवाए 61 रन बना लिए। राजस्थान रॉयल्स ने 5वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। यशस्वी जायसवाल ने ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाया और टीम की हाफ सेंचुरी पूरी करा दी। राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी को इम्पैक्ट प्लेयर बनाकर ओपनिंग करने भेजा। उन्होंने अपने करियर की पहली ही गेंद पर शार्दूल ठाकुर के खिलाफ छक्का लगा दिया।

वैभव के साथ यशस्वी जायसवाल भी पिच पर मौजूद रहे। राजस्थान ने पहले ओवर में 13 रन बनाए।अब्दुल समद ने 10 गेंद पर 30 रन बनाकर लखनऊ को 180 रन तक पहुंचाया। उन्होंने आखिरी ओवर में संदीप शर्मा के खिलाफ 4 छक्के लगाए। समद ने आखिरी ओवर में 27 रन बटोरे। ऐडन मार्करम ने 66 और आयुष बडोनी ने 50 रन बनाए। राजस्थान से वनिंदू हसरंगा ने 2 विकेट लिए।

पांचवीं राजस्थान पुरुष फुटबाल लीग

एएसएल फुटबाल क्लब ने दी रॉयल फुटबाल क्लब को 2-1 से शिकस्त

जयपुर, 19 अप्रैल। जयपुर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट ग्राउंड गाड़ोता और रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड व मानसरोवर जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत जी ने बताया कि आज के दिन 5 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया। 110 मैचों में से आज तक 30 खेले जा चुके है। **आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में खेले गए मैच**

प्रथम मैच :- रॉयल फुटबाल क्लब और ए एस एल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया ए एस एल क्लब ने मैच 2/1 से जीता।

दूसरा मैच रीयल फुटबॉल क्लब और सनराइज फुटबाल क्लब के बीच खेला गया रोमांच भरे मैच में दोनों ही टीमों ने शानदार खेल खेला पहला हॉफ में दोनों टीमें 2/0 पर रहा दूसरे हॉफ सनराइज ने आक्रामक खेल खेला 5/1 से रीयल जयपुर को शिकस्त दी।

आज ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता के मैदान में खेले गए मैच तीसरा मैच :- में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और राइजिंग जयपुर फुटबाल क्लब सीकर के बीच खेला गया मैच में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने मैच में 3/1 से जीता।

चौथा मैच : राजस्थान राइजिंग फुटबाल क्लब ओर जेरथी फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 2/1 से राइजिंग राजस्थान विजय रहा दोनों टीमों ने शानदार खेल खेला।

पांचवा मैच : सिटी वाल्स फुटबाल क्लब ओर जयपुर एलीट के बीच खेला गया मैच 5/0 से जयपुर एलीट को विजय रहा।

अल्फा एकेडमी की एकतरफा जीत में रामनिवास गोलाड़ा की आतिशी पारी

जयपुर, 19 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नारायणा क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी ग्राम, पर खेले गये पूल-डी के मैच में रामनिवास गोलाड़ा 89 रन (45 गेंद, 9 चौके, 6 छक्के), प्रेम

पालीवाल 68 रन नाबाद (38 गेंद, 7 चौके, 4 छक्के), के शानदार अर्द्धशतकों व विनय आमेरिया 4 ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत अल्फा क्रिकेट एकेडमी ने कियान क्रिकेट एकेडमी को 131 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर अल्फा क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रामनिवास गोलाड़ा 89 रन, प्रेम पालीवाल 68 रन, दिच्याशु गौसिंघा 35 रन, भगवत सिंह 13 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 254 रन बनायें। गेंदबाजी में कियान एकेडमी की ओर से लवित्त गुप्ता 38 रन पर 2 विकेट, कार्तिकेय शेखायत व बन्टी प्रत्येक 1-1 चिकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जबाबी पारी में कियान एकेडमी भव्य 42 रन नाबाद, दिलखुश 36 रन, कार्तिकेय शेखावत 12 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज अल्फा एकेडमी के गेंदबाजों विनय आमेरिया 4 ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट, राजकुमार सैनी के रन देकर 2 विकेट, अंकित पंचार 32 रन पर 2 विकेट तथा रामनिवास गोलाडा व डी सैनी प्रत्येक 1-1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के आगे कियान एकेडमी की पुरी टीम 17.2 ओवर में 123 रन बनाकर सिमट गई। मैन ऑफ दा मैच रामनिवास गोलाड़ा 89 रन (45 गेंद, 9 चौके, 6 छक्के) अल्फा क्रिकेट एकेडमी रहे।

पाकिस्तान की टीम आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत नहीं जाएगी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी महिला टीम इस साल के आखिर में होने वाले आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी और इस साल की शुरुआत में स्वीकार किए गए हाइब्रिड मॉडल का पालन करते हुए अपने मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेलेगी।

हाल ही में जब पाकिस्तान ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी तो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव के कारण भारतीय टीम को सीमा पार भेजने से इनकार कर दिया था और उनके मैच दुबई में खेले गए थे। हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बनी थी जिसके तहत भारत और पाकिस्तान के आईसीसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की स्थिति में दोनों को अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलने की अनुमति होगी।

नकवी ने कहा, "जैसे भारत चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान में नहीं खेला था और उसे तटस्थ स्थल पर खेलने की अनुमति दी गई थी, वैसे ही जो भी स्थल तय होगा हम वहां खेलेंगे। जब कोई समझौता होता है तो उसका पालन करना होता है।" पीसीबी प्रमुख ने कहा कि टूर्नामेंट के मेजबान होने के नाते भारत और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तटस्थ स्थल पर फैसला करेंगे। भारत 29 सितंबर से 26 अक्टूबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जिसमें ऑस्ट्रेलिया गत विजेता है। नकवी ने पाकिस्तान की महिला टीम के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के प्रभावशाली तरीके पर भी संतोष व्यक्त किया। लाहौर में आयोजित क्वालीफायर में पाकिस्तान ने अपने सभी पांच मैच जीते। उन्होंने आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज, थाईलैंड और बांग्लादेश को हराकर मुख्य दौर के लिए आसानी से क्वालीफाई किया जिसके लिए मेजबान भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

नकवी ने कहा, "टीम ने दिखाया कि घरेलू परिस्थितियों का फायदा कैसे उठाया जाए और एक इकाई की तरह कैसे खेला जाए। मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेट टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है।" उन्होंने कहा कि पीसीबी निश्चित रूप से महिला टीम के लिए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए विशेष पुरस्कार की घोषणा करेगा। नकवी ने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एक और आईसीसी प्रतियोगिता की सफलतापूर्वक मेजबानी की।

बीसीसीआई ने निकाला केकेआर ने अपनाया, आईपीएल में लौटे नायर

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। अभिषेक नायर की आईपीएल में वापसी हुई है। वह केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में शामिल हो गए हैं। नायर पहले केकेआर के लिए काम कर चुके हैं और एकेडमी में नए खिलाड़ियों को तैयार करने में मुख्य भूमिका निभा रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान वह टीम के साथ थे, जब श्रेयस अय्यर कीकप्तानी में टीम चैंपियन बनी थी। भारतीय टीम के सहायक कोच के पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद ही अभिषेक नायर की आईपीएल में वापसी हुई है। वह केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में शामिल हो गए हैं। नायर पहले केकेआर के लिए काम कर चुके हैं और एकेडमी में नए खिलाड़ियों को तैयार करने में मुख्य भूमिका निभा रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान वह टीम के साथ थे, जब श्रेयस अय्यर कीकप्तानी में टीम चैंपियन बनी थी।द इंडियन एक्सप्रेस ने पहले जानकारी दी थी घरेलू सरजमीं और विदेश में टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजों की लगातार विफलताओं ने नायर की भूमिका पर सवाल खड़े किए हैं। जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे के तुरंत बाद आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान टीम प्रबंधन में कई लोगों ने नायर की भूमिका पर सवाल उठाए थे। जबकिखिलाड़ियों से भी प्रतिक्रिया मांगी गई थी। ये पहला मामला है जब बीसीसीआई ने मुख्य कोच द्वारा चुने गए किसी सहयोगी स्टाफ के अनुबंध को समाप्त करने का कदम उठाया है। बीसीसीआई ने सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों अभिषेक नायर और फील्डिंग कोच टी दिलीप और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को हटा दिया है। इंग्लैंड दौरे पर जाने से पहले भारतीय टीम के पास एक नया मालिशिया होगा। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में हुई हार की समीक्षा के बाद बोर्ड के पदाधिकारियों ने ये फैसले लिए।

परशुराम प्रीमियर लीग 2025 सीजन 5

गैस त्रासदी के लाइव सेवर का किया सम्मान

ब्यावर, 19 अप्रैल। परशुराम जन्मोत्सव आयोजन समिति 2025 के संयोजक मनोज जी शर्मा के मार्गदर्शन में हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों में खेलकूद प्रतियोगिता प्रभारी जसराज शर्मा और भुवनेश शर्मा ने बताया कि 18-20 तारीख को परशुराम प्रीमियर लीग का आगाज हुआ जिसमें एक अनूठी पहल ब्राह्मण समाज द्वारा की गई। हाल ही हुई गैस त्रासदी कांड में जो लाइफ सेवर्स थे उनका सम्मान किया और युवाओं को प्रोत्साहित किया। सम्मान पुलिस उपाधीक्षक राजेश कसाना, निवर्तमान पार्षद हंसराज शर्मा, फायर फाइटर ताराचंद भट्ट, विक्की राठौड़, लाल सिंह और अग्निशमन विभाग के होनहार व जांबाज सिपाहियों का प्रशस्ति पत्र व दुपट्टा पहना कर एवं परशुराम जी की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया।

सौम्या करेगी इंडिया का प्रतिनिधित्व

सवाई माधोपुर, 19 अप्रैल। जयपुर की 11 वर्षिय सौम्या चौधरी ने अंडर 12 कैटेगिरी में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी बनकर अपने परिवार का ही नही बल्कि राज्य का भी नाम रोशन किया है। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन द्वारा हालही में जारी की गई टेनिस रैंकिंग में सौम्या चौधरी ने अपनी कैटेगिरी में दूसरी रैंक हासिल की है । जिसकी बदौलत सौम्या का भारतीय टीम में सलेक्शन हुवा है । भारतीय टीम में शामिल सौम्या जल्द ही अपना पहला अंतराष्ट्रीय मुकाबला खेलने के लिए विदेश जाने वाली है , 26 से 30 मई तक पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली साउथ एशिया टेनिस चैंपियनशिप में सौम्या भारत का प्रतिनिधित्व करेगी । महज 7 वर्ष की उम्र से सौम्या ने अंतरराष्ट्रीय कोच सुमित गुप्ता की ट्रेनिंग में खेलना शुरू किया और ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पहली बार भाग लिया और क्वार्टर फाइनल तक पहुंची । यह प्रतियोगिता राजसमंद में आयोजित हुई थी, अथक परिश्रम और लगन की बदौलत सौम्या के खेल में निरंतर सुधार आता गया और उसने देश के कई नामी गरामी प्रतियोगिताओं में जीत का प्रथम लहराकर राजस्थान तथा अपने परिवार का नाम रोशन किया है। अपने शानदार प्रदर्शन के चलते सौम्या ने अपनी कैटेगरी में दूसरी रैंक हासिल की, अपनी अभूतपूर्व सफलता का श्रेय सौम्या ने अपने कोच सुमित गुप्ता, अपनी माँ तथा अपने परिवार को देती है।

के.एल. राहुल ने आईपीएल में पूरा किया छक्कों का दोहरा शतक

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने तेज शुरुआत की, लेकिन वो बड़ी पारी खेलने से चूक गए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने मैदान पर आते ही चार्ज करना शुरू कर दिया, लेकिन एक यॉर्कर पर वो चूक गए और प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। आईपीएल 2025 के 35वें लीग मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने तेज शुरुआत की, लेकिन वो बड़ी पारी खेलने से चूक गए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने मैदान पर आते ही चार्ज करना शुरू कर दिया, लेकिन एक यॉर्कर पर वो चूक गए और प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। केएल राहुल ने इस मैच में यानी गुजरात के खिलाफ 14 गेंदों पर 28 रन की पारी 200.00 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। इस दौरान उन्होंने एक बेहतरीन छक्का और 4 चौके भी जड़े। राहुल ने इस एक छक्के के दम पर आईपीएल में छक्कों का दोहरा शतक यानी 200 छक्के भी पूरे किए। राहुल इस लीग में 200 छक्के लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने जबकि ओवरऑल वो ऐसा करने वाले 11वें प्लेयर बने। केएल राहुल आईपीएल में 200 छक्के लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने। इससे पहले रोहित, कोहली, धोनी, संजू और रैना ये कमाल क चुके हैं। रोहित इस लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं।

डॉ. रवि व डॉ. आदेश पहुंचे सेमीफाइनल में

जयपुर, 19 अप्रैल। प्रियंका हॉस्पीटल डीपीटीएल सीजन 5 के लीग पैट्रन डॉ संदीप निझावन ने बताया कि 20 अप्रैल तक चलने वाली प्रतियोगिता में खिलाड़ी कड़ी प्रतिस्पर्धा में जीतकर क्वार्टर फाइनल व सेमीफ़ाइनल में पहुँच रहे है । लीग चेयरमैन डॉ जयंत सेन व लीग सेक्रेटरी डॉ अनिल यादव ने बताया कि डबल्स मैचेज में डॉ अजीत -डॉ ओम ने डॉ अनिल -डॉ अंकुर को 5-0 से ,डॉ कपिल -डॉ जयंत ने डॉ भूपेन्द्र -डॉ आर के कजला को 6-4 से हराया। लीग को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि सिंगल्स मैचेज में डॉ कपिल जिंदल ने डॉ जीत सिंह को 13-11 से व डॉ रमेश टैंगर ने आर के कजला को 13-10 से हराया । लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि 40-50 आयु वर्ग में डॉ रवि सभरवाल ने डॉ आदित्य पेरीवाल को 6-3 से व डॉ आदेश ने डॉ मुरली को 6-2 से हराया।

पांच दिवसीय दूसरा जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटेड चेस टूर्नामेंट 23 से जयपुर में

जयपुर, 19 अप्रैल। गुलाबी नगरी में पाँच दिवसीय जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटेड चेस टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण 23 से 27 अप्रैल जयपुर क्लब में आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन वेव्स और जेएचडब्ल्यू (जयपुर हेल्थ एंड वैलनेस) की एक संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य सभी आयु वर्ग के बीच मानसिक स्वास्थ्य और चेस जैसे प्राचीन खेल को रजास्थान में बढ़ावा देना है।

अपने सहयोग के बारे में बात करते हुए, जेएचडब्लू के संस्थापक और सीईओ, हिम्मत सिंह ने बताया कि, हेल्थ और वेलनेस की पहल में अग्रणी नाम जयपुर हेल्थ एंड वेलनेस, इस टूर्नामेंट के साथ पहले संस्करण से जुड़ा है। हमें ऐसी पहल में भागीदार होने पर गर्व है, जो स्वास्थ्य और बुद्धि दोनों को प्रभावित करता है। टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन राजस्थान की उपमुख्यमंत्री, दीया कुमारी द्वारा 23 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे जयपुर क्लब में किया जायेगा। इसके अलावा उद्घाटन समारोह में नारायण अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर, बलविंदर सिंह वालिया; केयर

हेल्थ इंश्योरेंस के रीजनल हैड, राहुल पचोरी; रॉयल जयपुर क्लब से रवि बजाज; मध्य प्रदेश से कैट के जोनल हेड, भूपेंद्र जैन; चेस महासंघों और स्वास्थ्य सेवा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां भी शामिल होंगे।

वेव्स के संस्थापक जयेंद्र चतुर्वेदी और अमरीश जोशी ने बताया कि, सह-आयोजक वेव्स, राजस्थान में शतरंज को लोकप्रिय बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे है। इस संस्करण में 4 से 84 साल के प्रतिभागी 20 राज्यों के लगभग 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है और पूरे भारत से लगभग 500 खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में शामिल होने आ रहे हैं।

इस टूर्नमेंट में 100 पुरस्कार दिए जाएंगे जिसकी कुल राशि 11.5 लाख है, जिससे जयपुर और पूरे राजस्थान में शतरंज के बारे में जागरूकता और उत्साह में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। टूर्नामेंट का क्लासिकल प्रारूप खिलाड़ियों को 90 मिनट 30 सेकंड खेलने का मौका देगा, जो सर्वश्रेष्ठ शतरंज कौशल के लिए आदर्श है। भाग ले रहे खिलाड़ियों में अरुण कटारिया फिडे मास्टर एंड टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी, एस के राठौर फिडे मास्टर; विनोद शर्मा और पंकज शर्मा, कैंडिडेट मास्टर्स; वेदिका पाल, वूमेन कैंडिडेट मास्टर; साथ ही 11 और एरिना टाइटल खिलाड़ी शामिल हैं।

जयपुर से पी आर हर्ष; मिलिंद गावड़े; पवन सैन; अर्पित सक्सेना; महेंद्र लखियानी; सिद्धांत चतुर्वेदी; रुद्रदामन मेड़तिया; भव्या गुप्ता और अर्णव गुप्ता भी भाग ले रहे हैं। जेएचडब्लू के सह-संस्थापक भूपेंद्र सिंह और आर.के. व्यास ने बताया कि नारायण अस्पताल टूर्नमेंट के मेडिकल पार्टनर, केयर हेल्थ इंश्योरेंस इस आयोजन के सहयोगी और साथ-साथ स्वास्थ्य बीमा पार्टनर भी है, जो इस बौद्धिक पहल के स्वास्थ्य और कल्याण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है। यह टूर्नामेंट न केवल एक शतरंज प्रतियोगिता है बल्कि यह दुनिया के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित खेलों में से एक के माध्यम से मानसिक अनुशासन, सामुदायिक जुड़ाव और युवा सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने का आंदोलन है।

शेखावाटी यात्रा के पहले दिन सीकर जिले में मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत हुआ

जनता और कार्यकर्ताओं ने यमुना जल तथा बजट घोषणाओं के लिये मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी का किसान बहुत मेहनती है तथा यहाँ का युवा देश की सीमाओं की रक्षा करने के लिये भी आगे रहता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार से शेखावाटी के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस यात्रा के पहले दिन उन्होंने सीकर में जनसुनवाई की।

जयपुर/सीकर, 19 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शनिवार को जयपुर से शेखावाटी अंचल के सीकर, झुंझुनूं एवं चूरू का तीन दिवसीय दौरा प्रारम्भ हुआ। शर्मा की इस यात्रा में पहले दिन जयपुर एवं सीकर जिले के विभिन्न स्थानों पर आमजन द्वारा उत्साह के साथ उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस दौरान, जगह-जगह पर आमजन व पार्टी कार्यकर्ताओं ने शेखावाटी अंचल में यमुना का पानी लाने का मार्ग प्रशस्त करने एवं बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं, सीकर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनसुनवाई की। इस दौरान लोगों की भारी भीड़ रही।

मुख्यमंत्री ने श्रीमाधोपुर विधानसभा क्षेत्र के सरगोठ में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमने आमजन से शेखावाटी के क्षेत्र में यमुना का जल लाने की बात कही थी और इस पर हमने काम भी किया, लेकिन हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने उसके घोषणा पत्र में लिखा कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने पर राजस्थान से किया गया यमुना जल समझौता रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद यमुना जल समझौते पर काम करते हुए, टास्क फोर्स का गठन हुआ और डीपीआर बनाने का कार्य प्रारंभ हो गया। शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का जल आने से किसान को फायदा मिलेगा। हम राजस्थान की आठ करोड़ जनता के लिए काम करते हैं।

इस अवसर पर, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक गोवर्धन वर्मा, कुलदीप धनखड़, जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़ सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। वहीं, मुख्यमंत्री का खण्डेला के रींगस में भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन की ओर से अभिनंदन किया गया, मुख्यमंत्री ने कहा कि 200 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात खण्डेला विधानसभा क्षेत्र को दी गई है। इस अवसर पर विधायक सुभाष मील, राजस्थान अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र नायक सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पलसाना में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया, जिसके पश्चात आयोजित की गई जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम 8 करोड़ जनता के लिए काम करते हैं। हमने राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लंबे वक्त तक कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन शेखावाटी के लिए यमुना का जल नहीं ला पायी, जबकि हम राजस्थान की हर समस्या के समाधान के लिए संकल्पित होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र का किसान बहुत मेहनती है, वहीं, यहां का युवा देश की सीमाओं की रक्षा करने में भी आगे रहता है। उन्होंने कहा कि कुंभाराम लिफ्ट के लिए भी हमने बजट में वित्तीय प्रावधान किया है।

पंजाब ने विदेश से संचालित 2 आतंकवादी मॉड्यूल ध्वस्त किये

चंडीगढ़ , 19 अप्रैल। पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) द्वारा विदेश से संचालित किए जा रहे दो अलग-अलग आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ करके, राज्य में अशांति पैदा करने की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है और एक लॉन्चर सहित दो रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) तथा भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि दो अलग-अलग खुफिया ऑपरेशनों में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर और जिला पुलिस बटाला ने दोनों मॉड्यूल को ध्वस्त कर दिया है और एक नाबालिग सहित, 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यादव ने कहा, पाकिस्तान स्थित आईएसआई द्वारा प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल को बीकेआई द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था, जिसके दो प्रमुख संचालन नोड थे- फ्रांस स्थित सतनाम सिंह उर्फ सत्ता और ग्रीस स्थित जसविंदर सिंह उर्फ मन्नू अगवान।

यमुना जल लाने की प्रगति की समीक्षा करेंगे मुख्यमंत्री भजनलाल

राजस्थान व हरियाणा की टास्क फोर्स की संयुक्त बैठक 25 अप्रेल को हिसार में होगी

■ झुंझुनूं और चूरु जिले में यमुना का पानी लाने की योजना के त्वरित व प्रभावी क्रियान्वयन के लिये राज्य सरकार ने अति मुख्य अभियंता, यमुना जल का नया पद सृजित किया है।

जयपुर, 19 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 21 अप्रेल को झुन्झुनु जिले के पिलानी में हरियाणा और राजस्थान की टास्क फोर्स की द्वितीय संयुक्त बैठक से पूर्व, यमुना जल की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारी भी शामिल होंगे।

दोनों राज्यों की टास्क फोर्स की द्वितीय संयुक्त बैठक का आयोजन आगामी 25 अप्रेल को हिसार में प्रस्तावित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1994 में राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं नई दिल्ली के बीच हुए यमुना जल समझौते के अन्तर्गत, ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) पर मानसून अवधि (जुलाई से अक्टूबर) में 1917 क्यूसेक (वार्षिक 577 एम.सी.एम.) जल राजस्थान को आंवटित किया गया था। लेकिन आवंटित जल को राजस्थान लाने के लिए 30 वर्षों से गतिरोध बना हुआ था। इस गतिरोध को दूर करते हुए, 17 फरवरी को राजस्थान व हरियाणा के मुख्यमन्त्रियों एवं केन्द्रीय जलशक्ति मन्त्री की उपस्थिति में समझौता हुआ।

समझौते के तहत, प्रथम चरण में ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) से पेयजल हेतु जल को राजस्थान लाने के लिए प्रवाह प्रणाली की संयुक्त रूप से डीपीआर बनाने पर सहमति बनी। इस योजना के तहत, तीन भूमिगत पाइपलाईनों के माध्यम से हथिनीकुंड बैराज से चुरू जिले में हांसियावास जलाशय तक जल लाया जाना प्रस्तावित है। ऊपरी यमुना बेसिन (हथिनीकुण्ड बैराज के अपस्ट्रीम) में रेणुकाजी व लखवार स्टोरेज परियोजनाओं का एमओयू हो चुका है, जिसके अनुरूप राजस्थान द्वारा हिस्सा राशि 77 करोड़ 90 लाख रूपये का भुगतान हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड को किया जा चुका है। किशाऊ का एमओयू होना शेष है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद हथिनीकुण्ड बैराज पर राजस्थान के हिस्से का 201 एमसीएम जल मानसून पश्चात् वर्ष पर्यन्त इन्हीं पाइपलाइनों से राजस्थान को उपलब्ध हो सकेगा।

योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा अलग से अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, यमुना जल का नवीन पद सृजित किया गया है।

जेडीए के तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुर्माना भी लगाया है। वहीं, अदालत ने मामले में रिश्वत राशि का लिफाफा लेने वाले जीप चालक कैलाश चौधरी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि ऐसे कृत्यों से आमजन में लोक सेवकों के प्रति अविश्वास का भाव पैदा होता है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने बताया कि राम बच्चन यादव ने 7 मई, 2010 को एसीबी में शिकायत दी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह अपना मकान बना रहा है। कुछ दिन पहले अभियुक्त मौके पर आए और नोटिस नहीं देने और निर्माण नहीं तोड़ने की एवज में उससे 40 हजार रुपए मांगे। रकम नहीं देने पर निर्माण तोड़ने की धमकी दी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन किया और सौदा 7 हजार रुपए में तय हुआ। इस पर एसीबी ने 10 मई को तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी व जीप चालक को गिरफ्तार किया और बाद में 25 मई को फील्ड सहायक को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की ओर से कहा गया कि उनसे रिश्वत राशि बरामद नहीं हुई है। ऐसे में उन्हें दोषमुक्त किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने अभियुक्तों को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

दिल्ली में चार मंजिला बिल्डिंग गिरी, 11 की मौत

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढ ाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढ ह गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए। इनमें से 5 गंभीर रूप से घायलों का इलाज अब भी जारी है। 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत के गिरने के बाद 12 घंटे से ज्यादा समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

हादसे के बाद, एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस के मुताबिक, इमारत में 22 लोग थे। इनमें बिल्डिंग के मालिक तहसीन और उनके परिवार के 6 सदस्य भी मारे गए। इनमें 3 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेन्द्र अटवाल ने बताया कि देर रात एक मकान ढ हने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि पूरी बिल्डिंग ढ ह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं।

■ बिल्डिंग के मालिक तहसीन व उसके परिवार के 6 सदस्य भी हादसे में मारे गये।

दरअसल, शुक्रवार रात दिल्ली में मौसम ने अचानक करवट ली थी। तेज बारिश और आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में नुकसान हुआ। माना जा रहा है कि इसी वजह से मुस्तफाबाद की यह इमारत भी ढह गई।

धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधेयक तीन महीने में निपटा दिये जायें।

निशिकान्त दुबे ने देश की सबसे ऊंची अदालत के खिलाफ 'अराजकता' तथा 'धार्मिक' युद्ध भड़काने' जैसे शब्दों का प्रयोग किया है।

दुबे का यह बयान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उस टिप्पणी की अगली कड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि "अनुच्छेद 142 लोकतान्त्रिक ताकतों के खिलाफ न्यूक्लियर मिसाइन बन गया है।"

उपराष्ट्रपति ने यह टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद की थी, जिसमें न्यायालय ने राष्ट्रपति एवं राज्यपालों के लिए विधेयकों को निपटाने की एक समय सीमा निर्धारित कर दी थी।

स्थिति बड़ी अजीबो-गरीब तथा जटिल होती जा रही है। शीर्ष नेतृत्व अपने खास लोगों के जरिए अस्तव्यस्तता का माहौल पैदा करने तथा संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को निशाना बनाने के लिए कर रहा है।

अब तक अधिकांश मुद्दों से निपटने का भाजपा का अपना एक खास तरीका रहा है, लेकिन अचानक ऐसा प्रतीत होने लगा कि स्थितियां उसके हाथों से फिसल रही हैं, तथा इसलिए उसे न्यायपालिका पर निशाना साधने तथा उसके लिए अपशब्दों का प्रयोग करने की जरूरत पड़ रही है।

अपहरण कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने 22 मई, 2023 को प्रागपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह 23 मार्च, 2023 को कोचिंग गई थी।

रास्ते में उसकी भाभी का भाई और एक अन्य लड़का उसे जबरन कार में बैठाकर ले गए। दोनों अभियुक्तों ने उसे नशीला पेय पिलाया और दिल्ली ले गए। यहां दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिए। इसके बाद, उसे चंडीगढ़ और शिमला ले गए। जहां छह दिन तक दोनों ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

मुख्य अभियन्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी नहीं दी गई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी सुनवाई से तीन दिन पहले अदालत में रिकॉर्ड पेश कर दिया जाता है तो फिर मुख्य अभियंता को आने की जरूरत नहीं है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

गौरतलब है कि पूर्व में राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया था कि हाईकोर्ट ने सभी प्राकृतिक जल स्त्रोतों की साल 1947 और 1955 की स्थिति पुन: कायम करने के निर्देश दिए थे। इसकी पालना में भरतपुर की सीएफसीडी के किनारों पर 272 अतिक्रमण चिन्हित किया गए थे। प्रशासन इनमें से 171 से अधिक अतिक्रमणों को हटा चुका है। वहीं दूसरी ओर, प्रभावितों की ओर से कहा गया था कि वे साल 1947 से पहले से इस जमीन पर काबिज हैं। अदालत ने मामले में 21 नवंबर, 2024 को आदेश जारी करते हुए, सीएफसीडी के मौजूदा स्थल पर राजस्व मानचित्र को सुपर इंपोज करते हुए मानचित्र पेश करने को कहा था।

धनखड़ की टिप्पणी ने भारी विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दाखिल करने का समय दिया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की टिप्पणियों को न्यायपालिका के हस्तक्षेप की प्रत्यक्ष आलोचना के रुप में देखा जा रहा है, जिससे विवाद गहरा गया है। उन्होंने कानून बनाने में संसद की सर्वोच्चता पर ज़ोर दिया और न्यायिक अतिक्रमण के खिलाफ चेतावनी दी। कई लोगों ने इन टिप्पणियों को, वक्फ अधिनियम संशोधनों पर न्यायपालिका की चल रही सुनवाई को प्रभावित करने का प्रयास माना है।

संशोधित वक्फ अधिनियम के समर्थकों का कहना है कि ये सुधार वक्फ बोर्डों में पारदर्शिता और समावेशिता (इन्क्लूसिविटी) को बढ़ाने के लिए हैं। इस अधिनियम में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्डों में शामिल करने का प्रस्ताव है, जिसका लक्ष्य भारतीय समाज की विविधता को दर्शाना है। तथापि, अधिनियम के आलोचकों का मानना है कि ये बदलाव मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन करते हैं। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने इन संशोधनों को धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला करार दिया है और सरकार पर हिंदुत्व एजेंडा लागू करने का आरोप लगाया है।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित, कई संगठनों ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उनका तर्क है कि ये संशोधन वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को कमजोर करते हैं और संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

जैसे-जैसे एक सप्ताह की समय सीमा नजदीक आ रही है, सबकी निगाहें केन्द्र सरकार के आगामी हलफनामे पर टिकी हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 मई को लिया जाने वाला फैसला, वक्फ (संशोधन) अधिनियम के भविष्य और विधायी अधिकार तथा न्यायिक निगरानी (जुडीशियल ओवरसाइट) के बीच संतुलन तय करने में निर्णायक साबित होगा।

धनखड़ की राजनीतिक भूमिका को लेकर कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या उनका न्यायपालिका से टकराना उपयुक्त है, और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ इसी तरह के उनके व्यवहार को याद किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री 22-23 को सऊदी अरब जायेंगे

नयी दिल्ली, 19 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी। यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री की सितंबर 2023 में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता के लिए नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के बाद की जा रही है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्क के लंबे इतिहास के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

बार बार पूर्व मु.मंत्री अपनी पीठ ठोकते हैं, कि उनके शासन में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्माण कराने के आदेश जारी करवाना, कुछ गिनी चुनी कंपनियों की मदद से फंड की राशि की हेराफेरी करने जैसा ही प्रतीत होता है। विशेषकर इस आरोप को इस तथ्य से और बल मिलता है कि जिन सरकारी अस्पतालों में कोविड महामारी के दौरान आई.सी.यू./एन.आई.सी.यू बनाये गये थे, उनमें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक मानकों का पालन नहीं किया गया। ये मानक संक्रमण रोकने के लिए आवश्यक होते हैं। महंगी दरों पर आई.सी.यू. का निर्माण किया गया। ज्यादातर अस्पतालों में कोई नया निर्माण नहीं किया गया। और कोविड महामारी के खत्म होते ही, इनका या तो उपयोग बंद कर दिया गया या इन्हें नियमित वार्ड में बदल दिया गया।

पाठकों को बता दें कि एस.डी.आर.एफ़.फंड के उपयोग के लिये समय-समय पर नियम-कायदों में भी परिवर्तन किया गया है, जिनके बारे में कोविड-19 से पूर्व केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 8 अप्रैल 2015 को दिशा निर्देश जारी किए थे और फिर कोविड काल में मार्च एवं अप्रैल 2020 को भी दिशा निर्देश जारी किए थे, जिनके अनुसार, आई.सी.यू. जैसे स्थायी निर्माण कार्य की अनुमति नहीं थी, लेकिन गहलोत सरकार के नियमों का उल्लंघन कर उक्त बड़ी राशि को खर्च कर दिया। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और 8 अप्रैल 2015 को जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य आपदा राहत कोष और राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से आधारभूत संरचना का निर्माण, लम्बी अवधि अथवा स्थायी मरम्मत का कार्य नहीं करवाया जा सकता तथा ऐसे खर्चे राज्य सरकार को अपने बजट से करने चाहिए। हैरानी की बात है कि सभी नियम- कायदों की अवहेलना करते हुए राज्य सरकार के आपदा प्रबन्धन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग ने कोविड महामारी के चरम पर 31 मार्च 2021 को आदेश जारी करते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग को वित्तीय स्वीकृति दी और प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों मे आईसीयू, एनआईसीयू और पीआईसीयू के निर्माण के लिए 19295.70 लाख रूपये (जिसमें 131 करोड़ रूपए की राशि आई सी यू/पी आयी सी यू तथा एनआई सी यू हेतु उपकरणों की खरीद सहित, टर्नकी निर्माण शामिल) की राशि मुहैया करवाई थी।

■ यह भी सच है, कि एस.डी.आर.एफ. का उपयोग आई.सी.यू. जैसे स्थाई निर्माण के लिए नहीं किया जा सकता था, इसीलिए पूर्व में जोधपुर के मेडिकल कॉलेज में इस निधि से 110 करोड़ रुपये खर्च करके चार आई.सी.यू. वार्ड बनाने का प्रस्ताव अस्वीकृत कर दिया गया था, परंतु बाद में चिकित्सा विभाग ने दो अलग-अलग आदेशों से एस.डी.आर.एफ. फंड से आई.सी.यू. निर्माण कराने के आदेश जारी किए।

■ यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इन तथाकथित आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू और पी.आई.सी.यू में स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्तर्गत इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टैण्डर्ड्स (आई.पी.एच.एस.) की गाइड लाइंस की पालना नहीं की गई, जिनके अनुसार,150 वर्ग फीट के दायरे में सिर्फ एक मरीज का बिस्तर होना अनिवार्य है, ताकि मरीजों में संक्रमण न फैले।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय के नियमानुसार, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के फण्ड के उपयोग के लिए वर्ष 2015, फिर वर्ष 2022 और फिर वर्ष 2023 में नियम-कायदे संशोधित किए गए थे और इनमें भी स्थायी निर्माण, दीर्घावधि मरम्मत और आधारभूत संरंचना हेतु स्थाई निर्माण किए जाने के सम्बन्ध में सख्त मनाही है।

गौरतलब है कि इसी नियम के चलते राज्य के एस.डी.आर.एफ. विभाग ने जोधपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में 4 वार्ड बनाने हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा भेजे गए 110 करोड़ के प्रस्ताव को यह कहते हुए वापस भिजवा दिया था कि उक्त कार्य एस डी आर एफ में मान्य नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि वार्डों के निर्माण के चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर एस डी आर एफ मद से निर्माण की सलाह वित्तीय नियंत्रण एवं अनुशासन हेतु उत्तरदायी वित्त विभाग द्वारा दी गयी थी।

कुछ ही दिन बाद, चिकित्सा विभाग ने नियम को जानते हुए पुनः एस.डी.आर.एफ. के फंड से जोधपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में 30 बिस्तर के 2 एनआईसीयू बनाने के लिए 920 लाख रूपये आवंटित किए। झालावाड़ में 20 बिस्तर के आईसीयू और 20 बिस्तर के एनआईसीयू के निर्माण के लिए 456 लाख और 307 लाख रूपये की राशि देने की स्वीकृति दी। चूरू मेडिकल कॉलेज में भी 20 बिस्तर के आईसीयू और 10 बिस्तर के एनआईसीयू के लिए 456 लाख रूपये और 167 लाख रूपये की राशि आवंटित करने की स्वीकृति दी। और ऐसी ही स्थिति पाली, बाड़मेर, सीकर, भीलवाडा, डूंगरपुर, भरतपुर, बीकानेर में भी देखी गई। दस्तावेजों को देखने से जाहिर होता है कि पहले यह स्वीकृति मेडिकल उपकरणों को खरीदने के लिये दी गई थी, जो नियमों में स्वीकृत है, परंतु यह फंड कुछ गिनी चुनी कंपनियों को अस्वीकृत निर्माण कार्य करने के लिये दिया गया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इन तथाकथित आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू और पी.आई.सी.यू में, स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्तर्गत इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टैण्डर्ड्स (आई.पी.एच.एस.) की गाइड लाइंस की पालना नहीं की गई, जिनके अनुसार,150 वर्ग फीट के दायरे में सिर्फ एक मरीज का बिस्तर होना अनिवार्य है, ताकि मरीजों में संक्रमण न फैले।

(क्रमशः)

कोविड महामारी के दौरान गहलोत सरकार के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा दिए गए बाद के आदेशों में स्पष्ट देखा जा सकता है कि उसने ना केवल उपकरणों बल्कि आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू. और पी.आई.सी.यू. और जांच लैबों की स्थापना के लिये एस.डी.आर.एफ. फंड से राशि आवंटन के आदेश जारी किये थे। आदेश के अनुसार 19295.70 लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें से करीब 130 करोड़ आई.सी.यू., पी.आई.सी.यू.और एन.आई.सी.यू. के निर्माण में लगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908